हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, सोमवार, 1 जुलाई 2024

तापमान

अधिकतम 35 .5 डिग्री
न्यूनतम 26 .5 डिग्री

11 शहर में तीस दिन बाद सुचारू हुई पानी की सप्लाई

12 डी-प्लान के तहत जिले में खर्च होंगे 14.20 करोड़

खबर संक्षेप

साल्हावास स्कूल का डिजिटल बोर्ड चोरी

रेवाड़ी। साल्हावास के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के कमरे का ताला तोड़कर चोर डिजिटल बोर्ड चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में पीजीटी टीचर सत्यवीर आर्य ने बताया कि ग्रीष्मावकाश होने के कारण स्कूल बंद चल रहे थे। उसे सूचना मिली कि स्कूल के प्राचार्य कक्ष के सामने वाले कमरे का ताला टूटा हुआ है। सूचना मिलने के बाद वह मौके पर पहुंचा तो कमरे का ताला टूटा हुआ मिला। सूचना देकर पुलिस को मौके पर बुलाया गया।

फोन पर धमकी देने का एक आरोपी काबू

धारूहेड़ा। द्वारकाधीश सोसायटी में रहने वाले व्यक्ति को फोन पर जान से मारने की धमकी देने के एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस शिकायत में विराज यादव ने आरोप लगाया था कि गुरूग्राम के मोकलवास निवासी सतपाल और लोकेश उसे रात के समय फोन पर धमकी देते हैं। पुलिस ने उसकी शिकायत पर 16 जून को दोनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया था। पुलिस ने एक आरोपी सतपाल को गिरफ्तार कर लिया। दूसरे आरोपी की तलाश की जा रही है।

आशियाकी से बिजली ट्रांसफार्मर चोरी

कसोला। क्षेत्र में बिजली ट्रांसफार्मर चोरी की घटनाएं लगातार हो रही हैं। आशियाकी में चोर एक किसान के खेत में लगा 25 केवी क्षमता का बिजली ट्रांसफार्मर जमीन पर गिराकर उसकी क्वाइलें चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में निगम के एसडीओ रविंद्र कुमार ने बताया कि उसे आजाद सिंह जेई ने बताया कि सूरजभान के खेत में लगा बिजली ट्रांसफार्मर जमीन पर गिरा हुआ है। उसकी क्वाइलें गायब हैं। पुलिस ने एसडीओ की शिकायत पर बिजली अधिनियम के तहत केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

चार के खिलाफ मारपीट का केस दर्ज

कोसली। खेड़ी रामगढ़ में एक महिला के साथ मारपीट करने के आरोप में पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस बयान में गांव की महिला ने आरोप लगाया कि वह अपने खेत से लकड़ियां लेकर घर जा रही थी। रास्ते में किरोड़ी, मंजू, अंकित और तिलक ने उसका रास्ता रोक लिया। उसके साथ गाली-गलौज करते हुए इन लोगों ने मारपीट शुरू कर दी। शोर मचाने पर उसके पति ने वहां आकर उसका बचाव किया। पति ने उसे अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने उसके बयान पर सभी आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया।

फोन पर धमकी देने का एक आरोपी काबू

धारूहेड़ा। सेक्टर-6 से शनिवार की रात चोर एक घर के बाहर खड़ी ईको गाड़ी चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में अहरोद निवासी कपिल शर्मा ने बताया कि वह ईको गाड़ी रखता है। इस समय वह सेक्टर-6 में रह रहा है। रात के समय वह रोजाना अपनी गाड़ी घर के बाहर खड़ी करता है। शनिवार की रात भी गाड़ी खड़ी करने के बाद लॉक कर दी थी। रविवार सुबह जब वह उठकर घर से बाहर आया तो उसे गाड़ी नहीं मिली। काफी तलाश करने के बाद भी गाड़ी का कोई पता नहीं चला।

युवक के खिलाफ गाड़ी चोरी का केस दर्ज

रेवाड़ी। सहारनवास में गैराज में खड़ी गाड़ी चोरी करने के आरोप में रामपुरा थाना पुलिस ने राजस्थान के एक युवक के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस शिकायत में बंगड़वा निवासी रविंद्र कुमार ने बताया कि वह गाड़ियों की सेल-परचेज का कार्य करता है। उसकी एक गाड़ी सहारनवास गैराज में खड़ी हुई थी। उसकी गाड़ी को राजस्थान के खूंदरोड निवासी अभिषेक उर्फ चिन्नू चोरी कर ले गए।

जल्द बैठक समाप्त होने से पांच परिवाद रह गए पेंडिंग

पांच महीने बाद हुई ग्रीवेंश कमेटी की बैठक मात्र एक घंटे में खत्म

प्रदेश के स्कूलों में बच्चों की छात्रवृति, वर्दी और मिड-डे मील डकारने के मामले में शिक्षामंत्री मौन, संतुष्टि भरा जवाब दिए बिना रवाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। ग्रीवेंश कमेटी की बैठक में लोगों की समस्या सुनती सीमा त्रिखा व बैठक में अपनी समस्या रखते हुए व्यापारी।

अनाजमंडी की दुकानों का कंप्लीशन

राष्ट्रीय व्यापार सेवा संघ की ओर से शिक्षा मंत्री के समक्ष अनाज मंडी की दुकानों की कंप्लीशन न मिलने की समस्या रखी गई। संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एड्वोकेट भूपेंद्र सिंह, हरियाणा प्रदेश के महासचिव सुरेन्द्र वशिष्ठ व जिला अध्यक्ष दीपेश भार्गव ने कहा की यह समस्या रेवाड़ी की नहीं पूरे हरियाणा प्रदेश की है, जिस तरह से एक स्पेशल पॉलिसी बनाकर जिला पलवल अनाज मंडी और सब्जीमंडी की दुकानों को कंप्लीशन दिया गया है। उसी तरह हरियाणा की प्रत्येक अनाज मंडी व सब्जीमंडी की दुकानों को कंप्लीशन देने का कार्य किया जाए। व्यापारी सरकार को नियमित रूप से टैक्स देता है। उसकी हर परेशानी का समाधान करना सरकार का दायित्व है।

बैठक में यह रहे मौजूद

शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा ने अधिकारियों को समय पर जन शिकायतों का निवारण किए जाने के निर्देश दिए, जिससे कि आम जनता को न्याय के लिए इधर-उधर भटकना न पड़े। बैठक में उपायुक्त राहुल हुड्डा, पुलिस अधीक्षक गौरव राजपुरोहित, अतिरिक्त उपायुक्त अनुपमा अंजलि, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रीतम चौहान, नगर परिषद चेयरमैन पूनम यादव, कोसली के एसडीएम उदय सिंह, बावल के एसडीएम मनोज कुमार, रेवाड़ी के एसडीएम विकास यादव, जिला राजस्व अधिकारी राकेश कुमार, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी नरेंद्र सारवान व रामपाल यादव सहित जिला कष्ट निवारण समिति के सदस्य उपस्थित थे।

रविवार को पांच महीने बाद बाल भवन में हुई ग्रीवेंश कमेटी की बैठक में शिक्षा राज्यमंत्री सीमा त्रिखा ने सहजता के साथ नागरिकों की समस्याओं की सुनवाई की। जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक 16 परिवाद रखे गए, जिनमें से 11 परिवादों का निपटारा किया गया तथा पांच परिवाद पेंडिंग रखे गए। दोपहर 12 बजकर 16 मिनट पर बाल भवन पहुंची शिक्षामंत्री ने एक घंटे में सभी परिवादों की सुनाई की। बैठक के बाद शिक्षामंत्री से प्रदेश के स्कूलों में फर्जी दाखिले के फजीर्वाड़े पर सवाल किया गया शिक्षामंत्री बिफरी गई। स्कूलों में कुछ लोग वर्ष 2014 से 2016 के बीच 4 लाख फर्जी दाखिले कर बच्चों की छात्रवृति, वर्दी और मिड-डे मील को ही डकार गए। इस बड़े घोटाले मामले में शिक्षा विभाग पूरी तरह से घिरता हुआ दिखाई दे रहा है। विजिलेंस जांच से बात नहीं बनी तो अब हाईकोर्ट के ओदश पर सीबीआई ने एफआईआर दर्ज कर ली है। विजिलेंस जांच के दौरान रेवाड़ी में शिक्षा विभाग के अधिकारियों पर भी सहयोग नहीं करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। रविवार को कष्ट निवारण समिति बैठक के बाद जब शिक्षा राज्य मंत्री बात की गई तो उन्होंने कड़ी कार्रवाई की बात जरूर कही, लेकिन शिक्षा विभाग ने इतने सालों में पूरे मामले में क्या कार्रवाई की इस पर शिक्षा मंत्री बिफर गई और संतुष्टि भरा जवाब देने की बजाय चली गई।

पुलिस को फुटेज में नजर नहीं आया ट्रैक्टर

जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक में 16 परिवार रखे गए, जिनमें से 11 का मौके पर समाधान कर दिया गया और पांच मामलों को लंबित रखते उनकों आगामी बैठक तक निपटाने के निर्देश दिए गए। गांव ढालियावास निवासी मुकेश ने बताया कि 2019 में पांच साल पहले उसका ट्रैक्टर चोरी हो गया था। इस मामले में उसके पास सीसीटीवी फुटेज है, जिसमें पांच आदमी ट्रैक्टर ले जाते हुए दिखाई दे रहे हैं, जबकि डीएसपी आशीष का कहना था कि केस की तीन बार जांच कराई गई। एक आरोपी को पुलिस प्रोडक्शन वारंट पर भी लेकर आई, लेकिन आरोप साबित नहीं हुआ। अब इस केस को अनट्रेस की सूची में डाल दिया गया है। सीसीटीवी फुटेज में भी आदमी बिना ट्रैक्टर के नजर आ रहे है। शिक्षा मंत्री ने एसपी को सीसीटीवी फुटेज की जांच कर मामले में फिर से कार्यवाही करने के निर्देश दिए। गांव बोहतवास अहीर निवासी बाबूलाल के बेटे की करीब आठ महीने पहले हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस ने एक आरोपी को तो पकड़ लिया है, लेकिन अभी तक दो आरोपी गिरफ्तार नहीं किए गए हैं। डीएसपी आशीष ने बताया कि दो आरोपियों से पूछताछ की जा चुकी है, किंतु उनका आरोप साबित नहीं हुआ। अब उनका पोलिग्राफिक टेस्ट कराया जाएगा। शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा ने पुलिस अधीक्षक को एक सप्ताह में इस मामले में ठोस कार्यवाही कर ने के निर्देश दिए। अगर कोई दोषी है तो उसके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्यवाही होनी चाहिए। ओमप्रकाश ने नगर परिषद की भूमि पर कोर्ट रोड पर बनी एक दुकान की जमीन ऑक्शन में खरीदने के बावजूद उसके नाम नहीं होने की शिकायत रखी। नगर परिषद अधिकारी ने बताया कि वर्ष 1990 में इन भूखंडों की नीलामी की गई थी। अभी तक कोई ऐसा दस्तावेज नहीं मिला है, जिससे ओमप्रकाश का मालिकाना हक साबित होता हो। शिक्षा मंत्री ने शिकायतकर्ता को एक सप्ताह में अपने पुख्ता दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।**

पेट्रोल पंप से लाखों रुपये की चोरी का आरोपी गिरफ्तार

■ अपराध अनुसंधान शाखा की टीम ने 7 .5 लाख किए बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी।

अपराध अनुसंधान शाखा की टीम ने 8 जून की रात रोहड़ाई मोड़ पर एक पेट्रोल पंप की अलमारी का ताला तोड़कर लाखों रुपये चोरी करके फरार हुए मैनेजर को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से चोरी की 7.50 लाख रुपये राशि बरामद की गई है। आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक अभिरक्षा के तहत जेल भेज दिया गया। पुलिस शिकायत में गुरूग्राम निवासी राहुल यादव ने बताया था कि उसका रोहड़ाई मोड़ पर पेट्रोल पंप है। उसने पंप पर चांदनवास निवासी विकास को मैनेजर रखा हुआ था। विकास 6 जून की रात को पेट्रोल पंप के ऑफिस की अलमारी का ताला तोड़कर उसमें रखा सारा कैश लेकर फरार हो गया। काफी तलाश करने के बाद भी विकास का कोई पता नहीं चला। थाना रोहड़ाई पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी। इस मामले में केस दर्ज करने के बाद आरोपी की तलाश में सीआईए की टीम लगातार प्रयास कर रही थी। शनिवार को वह सीआईए के हत्थे चढ़ गया। चोरी की रकम बरामद होने के बाद उसे कोर्ट में पेश करते हुए जेल भेज दिया गया।

छुट्टियों के बाद आज से शुरू होगी स्कूलों में चहल-पहल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

एक माह के ग्रीष्मकालीन अवकाश समाप्त होने के बाद एक जुलाई से जिले के सभी सरकारी व प्राइवेट स्कूलों में चहल-पहल शुरू हो जाएगी। सोमवार से विद्यार्थियों के आने से सभी स्कूलों में रौनक लौटने वाली है। हालांकि पहले दिन स्कूल में बच्चों की संख्या कम रहने के कारण पढ़ाई भी कम ही हो पाती है। स्कूलों में करीब दो सप्ताह तक ग्रीष्मकालीन अवकाश के दिए गए कार्यों की ही जांच की जाती है। शिक्षा विभाग की ओर से ग्रीष्मावकाश समाप्त होने से पहले सभी सरकारी स्कूलों में सफाई, बिजली व पानी संबंधी व्यवस्था कर ली गई है। डीईओ की ओर से सभी स्कूलों के मुखियाओं को पहले ही निर्देश दे दिए गए थे।

विद्यार्थियों की सुविधा के लिए की व्यवस्था: डीईओ सुभाष चन्द्र ने बताया कि ग्रीष्मकालीन अवकाश के समय भी स्कूलों में बच्चों की प्रतिभा निखारने के लिए टाबर उत्सव का आयोजन किया गया। इसके अलावा पेड़ों की कटाई-छंटाई तथा लॉन डवलेप किए गए। स्कूल की बिजली फिटिंग भी दुरुस्त कराई गइ। स्कूल की साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखा गया है।

मेडिकल बोर्ड से हुआ अधजले शव का पोस्टमार्टम एफएसएल की रिपोर्ट से सामने आएगा सच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। खड़गवास में जलती हुई युवती की चिता।

खड़गवास गांव में शनिवार की रात जलती चिता से निकाले गए युवती के शव का पोस्टमार्टम को रविवार को मेडिकल बोर्ड ने कर दिया। विसरा एफएसएल को भेजा जा रहा है, जिसकी रिपोर्ट के बाद ही युवती की मौत के कारणों का पता चल सकेगा। शनिवार को गांव की एक एमएससी की पढ़ाई कर रही लगभग 22 वर्षीय युवती की संदिग्ध हालत में मौत हो गई थी। परिजनों ने उसकी मौत को सामान्य बताते हुए शाम को अंतिम संस्कार कर दिया था। इसी दौरान किसी ग्रामीण ने रामपुरा थाना पुलिस को सूचना देकर युवती की मौत पर संदेह व्यक्त किया था। शनिवार देर रात एसएचओ मुकेश कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे थे। पुलिस ने पानी डालकर चिता की आग को बुझाते हुए अधजला शव निकाकर सामान्य अस्पताल भिजवा दिया था। पुलिस ने मेडिकल बोर्ड से शव का पोस्टमार्टम करा दिया। एसएचओ मुकेश कुमार ने बताया कि विसरा एफएसएल भेजा जा रहा है। एफएसएल की रिपोर्ट के बाद ही युवती की मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

शमशान घाट में उमड़ी लोगों की भीड़

युवती की चिता से शव निकालने के लिए रात को जब पुलिस गांव के शमशान घाट पहुंची तो बड़ी संख्या में ग्रामीण वहां एकत्रित हो गए। जिस समय पुलिस मौके पर पहुंची, उस समय चिता में आग तेजी से धधक रही थी। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से आग पर पानी डालकर अधजले शव को बाहर निकलवाया था। युवती की मौत का मामला आसपास के एरिया में भी चर्चा का विषय बना रहा।

सीडीपीओ ऑफिस में प्रियंका ने संभाला सहायक का कार्यभार

नाहड़। सीडीपीओ ऑफिस नाहड़ में प्रियंका यादव ने सहायक का कार्यभार संभाल लिया है। उन्होंने यह पदभार ईश्वर सिंह सहायक के सेवानिवृत्त होने के बाद ग्रहण किया है। ईश्वर सिंह सहायक अप्रैल में सेवानिवृत्त हुए हैं। इस दौरान ऑफिस का सभी कार्य डीसी रेट डाटा ऑपरेटर संभाल रही थी। सहायक प्रियंका यादव सीडीपीओ ऑफिस अटेली से स्थानांतरित होकर आई हैं। उनका मार्च 24 में ही सहायक पद पर प्रमोशन हुआ है। सीडीपीओ ऑफिस नाहड़ में पिछले काफी समय से रेगुलर सीडीपीओ, आंकड़ा सहायक, स्टोर कीपर क्लर्क के पद खाली चल रहे हैं। अब सहायक प्रियंका यादव ने ज्वाइन कर लिया है। कार्यालय में खंड स्तर पर बच्चों की संख्या से संबंधित सभी प्रकार के डाटा, गर्भवती महिलाओं का रिकॉर्ड्स व ऑफिस से संबंधित सभी डाटा कलेक्शन, विभिन्न स्कीमों और उनकी रिपोर्ट तैयार करके उच्च अधिकारियों को भेजने के कार्य प्रभावित हो रहे थे। इस कार्यालय के अधीन 49 गांव 6 सर्कल व 143 आंगनबाड़ी केंद्र आते हैं।

सहायक प्रियंका यादव

■ उनका बीती मार्च 24 को ही सहायक पद पर प्रमोशन हुआ

अंत्योदय उत्थान की जनकल्याणकारी भावना के साथ काम रही सरकार: डा. बनवारी

■ मुख्यमंत्री आवास योजना, डा. अंबेडकर आवास नवीनीकरण योजना व सामाजिक सुरक्षा पेंशन के लाभार्थियों को बांटे अधिकार-पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। लाभार्थियों को अधिकार पत्र सौंपते मंत्री। फोटो: हरिभूमि

लोक निर्माण, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री डा. बनवारी लाल ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह के नेतृत्व में हरियाणा सरकार अंत्योदय परिवारों के उत्थान के लिए काम कर रही है। अब सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों, दिव्यांगों तथा किसानों को दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते, सरकार की डिजिटल प्रणाली से घर बैठे पात्र व्यक्ति लाभान्वित हो रहे हैं। रविवार को बालभवन सभागार में जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री डा. बनवारी लाल व शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा ने मुख्यमंत्री आवास योजना, डा. अंबेडकर आवास नवीनीकरण योजना तथा सामाजिक सुरक्षा पेंशन स्कीम के तहत लाभार्थियों को उनके अधिकार पत्र वितरित कर किए। बालभवन में मुख्यमंत्री नायब सिंह के कार्यक्रम का वर्चुअल माध्यम से सीधा प्रसारण किया गया। समारोह में उपायुक्त राहुल हुड्डा व अतिरिक्त उपायुक्त अनुपमा अंजलि सहित अनेक अधिकारी उपस्थित थे। डा. बनवारी लाल ने कहा कि सरकार अंत्योदय परिवारों के कल्याण की भावना के साथ काम कर रही है। सामाजिक व आर्थिक रूप से पिछड़े परिवारों को घर बैठे ही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। डा. अंबेडकर आवास नवीनीकरण योजना के तहत जिले में 120 पात्रों को 80-80 हजार रुपए की राशि मकान रिपेयर के लिए दी गई। इस योजना का लाभ सभी वर्गों के बीपीएल परिवारों को मिल रहा है। मंत्री ने कहा कि जिले में 254 ग्रामीणों को सौ-सौ गज के प्लाट से वंचित रहने के कारण एक-एक लाख रुपए की आर्थिक सहायता मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत प्रदान की गई है। समाज कल्याण सेवा विभाग की ओर से योग्य पात्रों को विभिन्न पेंशन स्कीमों के तहत विधवा, दिव्यांग, वृद्धावस्था सम्मान भत्ता का लाभ दिया गया है।

भाजपा की टिकट को लेकर नहीं बनवारी के सामने दुविधा की स्थिति

इस बार भाजपा के पास बावल में इतिहास रचने का मौका

■ किसी विधायक को नहीं मिला तीसर बार मौका

नरेन्द्र वत्स ▶▶| रेवाड़ी

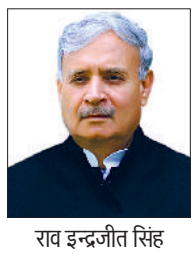

राव इन्द्रजीत सिंह

बनवारी लाल

नायब सैनी

बावल हलके के मतदाताओं का मिजाज लगभग हर बार बदलाव का रहा है। शकुंतला भगवाड़िया को लगातार दो बार विधायक बनने का मौका मिला था, लेकिन दोनों बार भगवाड़िया अलग-अलग दलों से चुनाव लड़ी थीं। एक ही पार्टी से लगातार दो बार विधायक बनने वाले डा. बनवारीलाल अकेले ऐसे नेता हैं, जिनके सामने तीसरी बार चुनाव जीतकर बावल में इतिहास रचने का मौका है। भाजपा की टिकट को लेकर डा. बनवारीलाल के मामले में कोई संशय की स्थिति नजर नहीं आ रही है। शकुंतला भगवाड़िया ने वर्ष 1977 में जनता पार्टी की टिकट पर बावल हलके से विशाल हरियाणा पार्टी के मोहनलाल को हराया था। वर्ष 1982 के विधानसभा चुनावों में वह कांग्रेस में शामिल हो गईं। उन्होंने लोकदल के मुरारीलाल को हराकर यह चुनाव जीतकर लगातार दो बार चुनाव जीतने का रिकॉर्ड कायम किया था। उसके बाद इस हलके में किसी भी नेता को लगातार दो बार जीतने का मौका नहीं मिला। वर्ष 1987 के चुनावों में लोकदल के मुनीलाल ने भगवाड़िया को हराकर उनका विजय रथ रोक दिया था, लेकिन वर्ष 1991 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की टिकट पर चुनाव लड़ते हुए भगवाड़िया ने जनता पार्टी के हरजीराम को हरा दिया था। इससे अगले ही चुनाव में हरियाणा विकास पार्टी की टिकट पर जसवंत सिंह ने भगवाड़िया को दिया था। वर्ष 2000 के विधानसभा चुनावों में इनेलो के डा. एमएल रंगा ने भगवाड़िया को लगातार दूसरी बार हार का सामना कराया था। वर्ष 2005 के विधानसभा चुनावों में राव इंद्रजीत सिंह की बदौलत कांग्रेस की टिकट से हाथ धो बैठने वाली भगवाड़िया ने कांग्रेस से बागी होकर राव समर्थक भरत सिंह को चारों खाने चित्त कर दिया था। वर्ष 2009 में इनेलो के रामेश्वर दयाल ने भगवाड़िया को कांग्रेस की टिकट पर चुनाव हरा दिया था।

भगवाड़िया के बाद बनवारी युग की शुरूआत

वर्ष 2014 में पहली बार भाजपा की टिकट पर डा. बनवारीलाल ने पहला चुनाव लड़ते हुए इनेलो के श्याम सुंदर को भारी मतों के अंतर से पराजित किया था। भगवाड़िया के बाद डा. बनवारीलाल ने बावल में नए राजनीतिक युग की शुरूआत की थी। मनोहर सरकार के पहले कार्यकाल में वह राज्य मंत्री बने थे। गत विधानसभा चुनावों में उन्होंने कांग्रेस के डा. एमएल रंगा को हराकर एक ही पार्टी से लगातार दो बार विधायक बनने का रिकॉर्ड बनाया, तो उन्हें मनोहर कैबिनेट में स्थान मिला। लोकसभा चुनावों से पहले सीएम बदलाव के साथ बनवारीलाल की पावर और बढ़ गई।

अंडरग्राउंड हो गए टिकट के दूसरे दावेदार

बावल हलके में भाजपा की टिकट के लिए दावेदारी जताने के लिए मैदान में आए दो नेताओं में से एक बात नहीं बनते देख कांग्रेस में चले गए, तो दूसरे लोकसभा चुनावों के बाद ही पिक्चर से गायब नजर आने लगे। डा. बनवारीलाल इस समय भाजपा के पास पूरे प्रदेश में दलित नेता के रूप में ब्रहस्त्र के समान साबित हो सकते हैं। संगठन के प्रति उनकी पूरी निष्ठा और राव इंद्रजीत सिंह के प्रति समर्पण ने उन्हें एक दमदार दलित नेता के रूप में स्थापित कर दिया है। बावल हलके में जमकर कराए गए विकासकार्यों की बदौलत डा. बनवारीलाल के पास इस बार इतिहास रचने का अच्छा मौका है।

ग्रीष्मावकाश के बाद आज से खुल जाएंगी अदालतें

रेवाड़ी। सिविल व आपराधिक मामलों की सुनवाई करने वाली अदालतें जून माह में अवकाश के बाद एक जुलाई से खुल जाएंगी। जिले की सभी अदालतों में सिविल व आपराधिक मामलों की सुनवाई भी शुरू हो जाएगी। जिले की सिविल अदालतें गत एक जून से 30 जून तक ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान बंद थी और 16 जून से आपराधिक मामलों की सुनवाई करने वाली अदालतों में भी ग्रीष्म अवकाश की घोषणा 30 जून तक के लिए कर दी गई थी। हालांकि आवश्यक कार्य निपटाने के लिए अवकाश के दौरान अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश व ड्यूटी मजिस्ट्रेट की अदालतों की व्यवस्था जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने की हुई थी ताकि आवश्यक कार्यों के लिए लोगों को इधर-उधर भटकना न पड़े और वह न्याय से वंचित न रह सकें। ग्रीष्मावकाश के दौरान अदालत परिसर में सन्नाटा ही छाया हुआ था।

डर रखने से हम अपनी ज़िंदगी को बढ़ा तो नहीं सकते. डर रखने से बस इतना होता है कि हम ईश्वर को भूल जाते हैं, इंसानियत को भूल जाते हैं.ऐसे देश को छोड़ देना चाहिए जहाँ धन तो है लेकिन सम्मान नहीं|

- विनोबा भावे

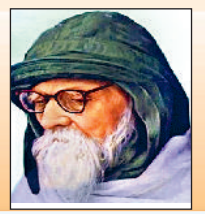

गतांक से आगे

भगवान की मूर्ति के सामने हाथ जोड़े वैभव अपने मन की पीड़ा को मौन हो व्यक्त कर रहा था। शरीर में थकान उसे भी महसूस हो रही थी लेकिन वह खुद पर नियंत्रण रखे थे।
रात भी जाने कितनी लम्बी थी जो सरक ही नहीं रही थी। वह कृति के कमरे के बाहर दरवाजे पर टेक लगातार जमीन पर बैठ जाता है। नींद उसे अपने आगोश में ले दुनिया के झंझटों से दूर ले जाती है।

कहानी | दिव्या शर्मा

शक का संक्रमण

कृति ने चाय को गले से उतारा और स्टीम लेने लगी। वैभव वहीं खड़ा था।

'तुम जाओ...बीमार हो जाओगे...जाओ प्लीज।' कृति ने जोर देकर कहा।

'मैं ठीक हूँ। सुबह कोरोना का टेस्ट होगा हमारा। तुम रिलेक्स रहना कृति।' वैभव उसे समझाते हुए बोला। कृति ने हाँ में सिर हिलाया। थोड़ी देर में वह फिर से सो गई। कोरोना के लक्षण अभी इतने नहीं दिखाई दे रहे थे, लेकिन वैभव डर गया। कृति के मायके फोन कर खबर देने के बाद वैभव ने सारे घर को सेनिटाइज किया। चाय का कप लेकर कृति के कमरे के बाहर ही बैठ गया। कृति बीच बीच में खाँस रही थी और बेचैनी से अपने सीने को रगड़ रही थी। अस्पताल ले जाना खतरनाक था, क्योंकि अस्पताल से आती मौत की खबरों ने दहशत मचा रखी थी। वैभव की आँखों में नींद नहीं थी। वह एकटक कृति को देख रहा था। कृति बार बार अपनी गर्दन पर हाथ फेर रही थी। बाहर फैला काला स्याह सन्नाटा कोरोना के साथ मिलकर सबके दिलों से खेल रहा था जैसे 'पा...पानी' कृति के होंठ बुदबुदाए।

वैभव भागकर फ्लास्क में से गुनगुना पानी निकाल कर कृति के होंठों से लगा देता है। लिटाकर टेम्प्रेचर लेता है। बुखार कुछ कम हुआ था, लेकिन अब भी एक सौ दो पर अटका था।

भगवान की मूर्ति के सामने हाथ जोड़े वैभव अपने मन की पीड़ा को मौन हो व्यक्त कर रहा था। शरीर में थकान उसे भी महसूस हो रही थी लेकिन वह खुद पर नियंत्रण रखे थे।

रात भी जाने कितनी लम्बी थी जो सरक ही नहीं रही थी। वह कृति के कमरे के बाहर दरवाजे पर टेक लगातार जमीन पर बैठ जाता है। धीरे धीरे नींद उसे अपने आगोश में ले दुनिया के झंझटों से दूर ले जाती है। रात अब भी जाग रही थी। स्याह काले सन्नाटे के साथ बीच बीच में पुलिस की गाड़ी की आवाज़ सुन यह सन्नाटा कहीं दुबक जाता, लेकिन गाड़ी के गुजरते ही बेशर्मी से ठठाकर हँस पड़ता। शहर के घरों में कैद जिन्दगियां एक दूसरे से दूरी बनाएं एक दूसरे की सलामती की दुआएँ कर रही थी।

कोरोना ने लोगों के पैरों को तोड़ दिया था जैसे वह अपने पैरों की रफ्तार थाम चुके थे, लेकिन दिमाग में चलते विचार भविष्य के अंधकार को दिखा रहे थे। सूरज अपने समय पर उगा। खिड़की से आती सूरज की रोशनी कृति के चेहरे पर पड़ने लगी। वह नींद से जाग जाती है। शरीर में टूटन थी। सहारा ले बिस्तर से उठती है और बाथरूम में घुस जाती है। वैभव दरवाजे के पास ही जमीन पर बेखबर सो रहा था। बाथरूम से बाहर आकर कृति की नजर जमीन पर लेटे वैभव पर पड़ती है। वह कसमसा कर रह जाती है। अपने शरीर में दो कदम चलने की हिम्मत भी कृति से नहीं हो रही थी। साँस लेने में उसे तकलीफ होने लगी। वह वैभव को बुलाना चाहती थी, लेकिन खाँसी के तेज उफान से यह नहीं हो सकता था। उसके खाँसने की आवाज़ से वैभव की नींद टूट जाती है वह हड़बड़ा कर उठता है और देखता है कि कृति बिस्तर पर सिकुड़ कर लेटी हुई है। वह अपने मुँह पर मॉस्क ठीक करता है और उसके पास जाकर उसे सीधा करता है। कृति गले में रुकावट का इशारा करती है। वैभव गुनगुना पानी उसके गले में उतार देता है। कृति को राहत महसूस होती है।

वैभव की घबराहट कृति के लिए बढ़ती जा रही थी। वह लगातार व्हाट्सएप पर ऑक्सीजन सिलेंडर के इंतजाम के लिए मैसेज कर रहा था। ऑक्सीमीटर ऑर्डर कर वैभव कोरोना हेल्पलाइन सेंटर में कॉल कर कृति की स्थिति बताता है। वहाँ से वैभव को कुछ निर्देश मिलते हैं। कोरोना टेस्ट के लिए पीपीई किट पहने दो लोग आए और उनका सैंपल ले गए। मौत का भय कैसे मस्तिष्क को शून्य कर देता है यह वैभव और कृति महसूस कर रहे थे। बिस्तर पर पड़ी कृति वैभव की उसके लिए चिंता साफ महसूस कर रही थी। प्यार जो स्याही सोखते की तरह कहीं सारी भावनाओं को सोख रहा था एक बार फिर वापस तरल होने लगा। घर के काम और कृति की देखभाल में वैभव भूल गया था कि कृति उसके साथ बस कुछ दिनों के लिए है। ऑक्सीमीटर से रोज ऑक्सीजन नापने से लेकर कृति को नहलाने तक का काम वैभव कर रहा था और कृति उसके प्रेम को धीरे धीरे पी रही थी। मन में अजीब सी ग्लानि महसूस कर कृति अक्सर रो देती लेकिन वैभव के सामने सामान्य बनी रहती। कृति तकलीफ में थी। मन से भी और शरीर से भी, लेकिन उसके अपनों ने उससे दूरी ही रखी। शायद भय था कि कहीं कृति उनसे कोई मदद न माँग ले। वैभव कोरोना को लेकर ऑनलाइन सर्च करता रहता। कृति के इलाज के साथ सावधानी और उसकी डाइट पर वैभव कोई लापरवाही नहीं करना चाहता था। दिन बीत रहे थे और कृति तेजी से रिकवर कर रही थी, लेकिन कमजोरी इतनी थी कि वह खुद के काम करने में भी सक्षम महसूस नहीं कर रही थी। बॉलकनी में कुर्सी पर बैठी कृति शहर के सन्नाटे को महसूस कर रही थी। आस पास के फ्लैट्स की बॉलकनी के दरवाजे कस कर बंद पड़े थे। शायद सबको उसका कोरोना पॉजिटिव होना पता चल गया था। इंसानों के बीच आई यह दूरी कितनी पीड़ादायक थी। वह अपने ख्यालों में खोई थी कि रसोई से आती तेज आवाज़ से उसका ध्यान भंग हुआ। वह दीवार का सहारा लेकर कमरे से बाहर निकली। रसोई में वैभव अपना हाथ झटक रहा था। फर्श पर दूध का बरतन पड़ा था जिसमे से भाप उठ रही थी। माजरा समझते उसे देर न लगी वह बेचैनी से चिल्लाई, 'वैभव ठंडा पानी डालो हाथ पर. जल्दी करो वैभव!' 'ठीक है...लेकिन तुम जाओ आराम करो परेशान न हो।' वैभव ने फ्रीज खोलते हुए कहा। 'अभी भी मेरी चिंता कर लो! ठीक हूँ मैं. अपना हाथ दिखाओ।' वह चिल्लाई। वैभव का हाथ लाल हो गया था। 'क्या किया तुमने ये! हाथ से बरतन उठा रहे थे क्या? बरतन गरम है यह तो देख लेते!' कृति गुस्से से बोली। 'मेरी चिंता मत करो.वैसे भी अकेले ही रहना है मुझे।' अपनी हथेली को कृति की हथेलियों से.छुड़ाकर वह बोला। 'तो तुम क्यों चिंता कर रहे थे मेरी! रातदिन मेरे लिए दौड़ रहे हो। मेरे लिए अपनी नींद खो रहे हो। मरने देते मुझे।' कृति की आवाज़ में दर्द था। 'प्यार करता हूँ तुमसे। तुम्हारे लिए तो जान भी दे सकता हूँ!' वैभव न कहा।

'तो क्यों नहीं मुझे रोक लेते!' सुबकते हुए कृति बोली। 'मैंने तो कभी तुमसे दूर होने की कल्पना नहीं की .तुम ही मुझसे नफरत करती हो!' वैभव रसोई के फर्श पर बैठ गया। 'नफरत! तुम...तुम...वो मेघना...मैंने तुम्हें उसके साथ..तुमने मुझे धोखा क्यों दिया वैभव?' तड़प उठी कृति। 'मैं तुम्हें धोखा देने की कल्पना भी नहीं कर सकता। उस रात मेघना को अस्थमा का अटैक आया था। मैं सिर्फ उसे गोद में उठाकर पार्किंग में कार में बिठा रहा था, लेकिन तुमने सिर्फ यही देख मुझ पर शक किया। मेघना को भी अपराधी बना दिया जबकि उस समय खतरे में थी!' वैभव एक साँस में बोल गया।

कृति खामोश हो नीचे बैठ गई। उसकी आँखों से बहता पानी अपनी गलती का एहसास करा रहा था। वैभव उसके गालों पर आँसू देख परेशान हो गया। 'तुम रो क्यों रही हो कृति! देखो अभी तुम्हारी तबीयत पूरी तरह ठीक नहीं। साँस लेने में दिक्कत हो जायेगी।' वैभव बोला। 'कुछ नहीं होगा मुझे। इस कॉरोना संक्रमण ने मेरे शक के संक्रमण को मार दिया है वैभव। मुझे माफ कर दो मुझसे बहुत बड़ी गलती हो गई। तुम्हें किसी और के करीब देख मेरी चेतना शून्य हो गई थी। मैं ईर्ष्या में गलती कर गई। तुम्हारा अपमान किया तुम पर आरोप लगाए.मुझे माफ कर दो वैभव।' कृति हाथ जोड़कर बिलखने लगी।

'तुम्हारी आँखों में अपने लिए नफरत देख मैं कितना तड़पा हूँ तुम नहीं समझ सकती। अब ऐसे रोकर मुझे और तड़पा रही हो। कैसे सोच लिया था तुमने कि तुम्हारे बिना मैं जिन्दा रह पाता. मर जाता मैं मर जाता।' इतना कहकर वैभव ने कृति को बाँहों में भींच लिया। दोनों के आँखों से बहता पानी प्रेम के सागर को और गहरा करने लगे.अगली तारीख पर अपना फैसला सुनाने के लिए कृति ने वैभव के सीने से लिपट गई। ***(समाप्त)***

> *'नफरत! तुम...तुम...वो मेघना...मैंने तुम्हें उसके साथ..तुमने मुझे धोखा क्यों दिया वैभव?' तड़प उठी कृति। 'मैं तुम्हें धोखा देने की कल्पना भी नहीं कर सकता। उस रात मेघना को अस्थमा का अटैक आया था। मैं सिर्फ उसे गोद में उठाकर पार्किंग में कार में बिठा रहा था, लेकिन तुमने यही देख मुझ पर शक किया। मेघना को भी अपराधी बना दिया जबकि उस समय खतरे में थी!' वैभव एक साँस में बोल गया।*

रागनी | महेन्द्र सिंह बिलोटिया

झूँठ कपट छल बेईमाने तै हर मानस लाचार मिलै
किस किस तै बच पावोगे सबके हाथ कटार मिलै

राजनीति में झूठे नेता बैठे हैं दरबारों म्हैं
प्रजा हित प्रस्ताव गल जाते अखबारों म्हैं
नकली चीज़ बजारों मै,असली पर तकरार मिलै
किस किस तै बच पावोगे सबके हाथ कटार मिलै

मन्दिर अन्दर भगवान बणगे देख पुजारी
ईष्ट देव से ज्यादा देखों चेली लाग प्यारी
सत्संग के म्हा रहीं नाच कुंवारी सब तरह सिंगार मिलै
किस किस तै बच पावोगे सबके हाथ कटार मिलै

कपटी तो सरपंच बेईमान सब पचं बणे
चन्दा करकै खा जाते कई तरह के मचं बणे
ये डिनर कहीं लंच बणे ना खाणे लायक आहार मिलै
किस किस तै बच पावोगे सबके हाथ कटार मिलै

कुत्ते केसा सुभा आदमी काटण खातर दौड़
सास ससुर देवर जेठ का आज बहु सिर फौड़
महेन्द्र सिंह रागनी जोड़ बिलोट भण्डार मिलै
किस किस तै बच पावोगे सबके हाथ कटार मिलै

कविता | मनीषा मंजरी

वियोग

ये कालिमा कैसी है, जिसमें तारे भी विलीन हो गए हैं,
अँधेरा है ये अंतरिक्ष का या दीये मन के बुझ गए हैं।
इंद्रधनुष है ये कैसा, रंग जिसके मिट गए हैं,
रंगहीनता है ये आकाश की, या रौशनी आँखों से छीन गए हैं।
अम्बर है ये कैसा, विस्तृतता पर जिसके पहरे लग गए हैं,
संक्षिप्तता है ये नीलाम्बर की, या सपने खुद में सिमट गए हैं।
गहराई है ये कैसी, जिसमे सागर उथल गए हैं,
छिछलापन है ये समंदर का या, दर्द पलकों से टपक गए हैं।
ये खामोशी कैसी है, जिसमें शोर सारे हीं थम गए हैं,
शून्यता है ये ब्रह्माण्ड की, या निःशब्दिता से होंठ सिल गए हैं।
ये मेले हैं कैसे, जिसमें एकाकी व्यक्तित्व भटक गए हैं,
अभाव है ये भीड़ का या, दलदल में तन्हाई के रूह धंस गए हैं।
ये खेल है कैसा, जिसमें पराजित से हो गए हैं,
बेवफाई है ये मोहरों की, ये भाव विजय के हमसे मुकर गए हैं।
ये भागमभाग है कैसी, जिसमें कदम ठहर गए हैं,
ठहराव है ये सफर का या, विरक्त शख्सियत से हम हो गए हैं।
ये विरह है कैसा, जिसमें चेहरे तक बादलों के हो गए हैं,
इंतजार है ये अनंत का या अनन्तता में यादों की हम बिखर गए हैं।

कहानी | रविंद्र बत्रा

दस रुपये

सब्जी लेने जैसे ही रमन उस मार्केट में पहुंचा, देखा एक पहलवान टाइप लड़का एक सब्जी वाले की रेहड़ी को उल्टाने की कोशिश कर रहा था। सब्जीवाला भी उसे चुनौती देते हुए कह रहा था, उल्टा दो, सड़क के बीच में उल्टा दो। रेहड़ी पर आलू, प्याज और टमाटर थे। जाहिर है रेहड़ी के उलटने से काफी नुकसान होना था। दोनों का अहम अपनी चरम सीमा पर था। पहलवान लगभग रेहड़ी को उल्टाने ही वाला था। रमन आमतौर पर दब्बू किस्म का आदमी था बस अपने काम से काम रखना। जहां बच सके, दो पैसे बचाना। कभी-कभी वह एक कप चाय भी इसलिए नहीं पीता था, कि दस रुपये बच जाएंगे और बच्चों के काम आएंगे, पर पता नहीं क्या सोचकर रमन एक क्षण के लिए वहां खड़ा हो गया। अपने कमजोर शरीर और पहलवान की कद-काठी से डरते-डरते भी, उसका हाथ पकड़ लिया और बोला, 'मुझे तुमसे बात करनी है।' पहलवान थोड़ी अकड़ दिखाते हुए बोला, 'यही बताओ, जो बताना है।' रमन उसके कान के पास जाकर धीरे से बोला, 'क्यों किसी गरीब आदमी की आह लेते हो। क्या बात हो गई। इसमें कोई गलती की है तो मैं इसकी तरफ से माफी मांगता हूं।' पहलवान बोला, 'मुझसे बदतमीजी से बात कर रहा था। एक तो मेरी दुकान के आगे रेहड़ी लगाई हुई है, ऊपर से दस रुपये कम करने के लिए कहा तो बकवास भी कर रहा है।' रमन बोला, 'मैं इसकी तरफ से माफी मांगता हूं, कोई बात नहीं। गरीब आदमी है। उसकी बद्दुआ मत लो।' पहलवान के कान में बात करते हुए रमन ने महसूस कर लिया, उसने शराब भी पी रखी है। एक पहलवान ऊपर से शराब का उन्माद। उलझने में पिटने का खतरा भी हो सकता था। रमन ने सब्जी वाले से कहा, 'भैया ऐसा करो इसकी दुकान के आगे से रेहड़ी हटा लो। मैं कहीं और लगवा देता हूं।' रमन उसकी सब्जी की रेहड़ी को पीछे कर रहा था, तभी पहलवान ने इशारे से रमन को अपने पास बुलाया। रमन के सारे शरीर में किसी अनहोनी की आशंका से सिरहन दौड़ गई। रमन जैसे ही उसके पास पहुंचा वह पहलवान उसकी तरफ थोड़ा झुकते हुए बोला, 'मेरा सामान उसके पास तुला पड़ा हैं। यह लो सौ रुपये वह अस्सी मांग रहा है, मैं साठ कह रहा हूं। जितने ले दे देना।' रमन ने रेहड़ी वाले से पूछा, 'कितने का सामान है बोला अस्सी का है, सत्तर दे दो।' रमन बोला, 'वह साठ कह रहा है, आप साठ ही काट लो। पागल सा लग रहा है, शराब भी पी रखी है। अगर आपको घाटा हो रहा है तो दस रुपये मुझसे ले लेना।' रेहड़ी वाले ने साठ रुपये काटकर बाकी पैसे रमन को लौटा दिए। रमन ने सब्जी की थैलियां और पैसे लिए और पहलवान को पकड़ा दिए। अचानक वह पहलवान रमन के पैरों की तरफ झुक गया और पैर छूते हुए बोला 'सॉरी'। अचानक हुई इस घटना से अचंभित रमन की आंखें भीग गई। इधर इस दौरान इस सब्जी वाले की रेहड़ी की जगह पर किसी अन्य रेहडी वाले ने अपनी रेहड़ी लगा ली। रमन ने उससे अनुरोध किया, 'भैया आप रेहड़ी को थोड़ी परे कर लो, इसको यहां लगाने दो। इसकी रेहड़ी यही लगी हुई थी। झगड़ा हो रहा था तो मैंने इसे पीछे करवाया था।' हालांकि वहां दोनों रेहड़ियों की जगह बन सकती थी, लेकिन अब आया रेहड़ी वाला, अपनी रेहड़ी को साइड में करने को तैयार नहीं था। तभी थोड़ी दूर खड़ा हुआ पहलवान आया और इस नए रेहड़ी वाले को बोला, 'अबे! उसको रेहड़ी लगाने दे यहां। मैंने हटवाई थी। यह मेरी दुकान के आगे की जगह है। यह कहते-कहते उसने खुद ही अपने हाथों से उसकी रेहड़ी को वहां जगह बनाकर लगा दिया। पहलवान के जाने के बाद रमन ने सब्जी वाले से कहा, 'मुझे एक किलो आलू दे दो और सुनो अगर तुम्हें घाटा हुआ है तो मेरे पैसो में से दस रुपये काट लो।' सब्जी वाले ने आलू दिए और रमन के पैसों में से दस रुपये ज्यादा काट लिए। जब रमन घर की तरफ जा रहा था उसके मन में अजीब सा द्वंद था। एक पहलवान था, जो अपनी गलती मान कर उसके पैर छूकर गया था। एक सब्जी वाला था, जिसकी रेहड़ी पलटने से रमन ने बचाया था और जिसने एक बार भी यह नहीं कहा की यह दस रुपये रहने दो, जो आप अपनी जेब से दे रहे हो। कौन सही था, कौन गलत फैसला करना बहुत मुश्किल था।

साहित्य की महत्ता को नकारा नहीं जा सकता, क्योंकि साहित्य पथ-प्रदर्शक भी है। आज साहित्यिक पुस्तकें कम पढ़ी जाती हैं। इंटनेट और सोशल मीडिया के युग में अपनी पसंद से पाठक ऑनलाइन साहित्य पढ़ते हैं, जो सामाजिक दृष्टि से सकरात्मक पहलू है।

साक्षात्कार | ओ.पी. पाल

सामाजिक संस्कारों में साहित्य की अहम भूमिका: राजश्री

साहित्यकार अपनी विभिन्न विधाओं से समाज को नई दिशा देते आ रहे हैं। गद्य व पद्य दोनों ही शैलियों में साहित्य सृजन करने वाले साहित्यकारों में हर किसी लेखक का ध्येय यही है कि उनकी रचनाएं समाजिक बुराइयों को उजागर करके समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करें। सामाजिक रीति रिवाज और संस्कृति के साथ संस्कारों को संजोने वाले ऐसे साहित्यकार और लेखकों में हरियाणा की महिला रचनाकार भी पीछे नहीं हैं। ऐसी ही महिला साहित्यकार राजश्री गौड़ भी सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों पर अपने रचना संसार को आगे बढ़ाने में जुटी हैं। रचनाकार और कवयित्री राजश्री गौड़ ने अपने साहित्यिक सफर को लेकर हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत के दौरान कई ऐसे पहलुओं का जिक्र किया है, जिससे साहित्य के बिना सामाजिक संरचना अधूरी है।

राजश्री का जन्म पलवल जिले की तहसील हथीन में 24 नवम्बर, 1956 को एक शिक्षित और समृद्ध परिवार पं. चिन्तामणि पाराशर व जय देवी के घर में हुआ। उनके बाल्यकाल के दौरान ही उनका संयुक्त परिवार सोनीपत में आकर बस गया, इसलिए उनकी पूरी शिक्षा दीक्षा सोनीपत में ही हुई। उनके पिता कुश्ती, कबड्डी व वालीबॉल के खिलाड़ी थे, लेकिन दादा के देहावसान के कारण उन्हें पैतृक काम ज्वैलरी और जवाहरात का बिजनेस संभालना पड़ा। राजश्री की प्रारंभिक शिक्षा आर्या गर्ल्स स्कूल में हुई और उन्होंने हिन्दू गर्ल्स कॉलेज, सोनीपत से बी.ए. और बीएड किया। इसके बाद एम.ए. (हिन्दी) में दाखिला लिया, लेकिन किन्हीं कारणों से पूरी नहीं हो सकी। अपने शिक्षित परिवार में उन्होंने दादी को गीता और रामायण तथा माँ को भजन गुनगुनाते घर के काम करते देखा, तो वहीं उनके पिता का साहित्य से बहुत लगाव था, जो हमेशा सोने से पहले शरतचंद्र, बिमल मित्र व मुंशी प्रेमचंद के उपन्यास पढ़ते थे। वहीं घर में पत्र पत्रिकाएं भी आती थी, जिनमें से पिताजी उन्हें कविताओं को कंठस्थ कराते थे और शनिवार को स्कूल में होने वाली बालसभाओं में वह कविताएं सुनाती थी। ऐसे में साहित्य के प्रति रुचि स्वाभाविक ही था। मसलन बचपन में ही उन्होंने रचनाओं के रूप में लेखन कार्य शुरू कर दिया था। हालांकि वास्तविक रूप से उनका लेखन कार्य कालेज की शिक्षा के दौरान साल 1972 से शुरू हुआ और कालेज की मैगज़ीन में उनकी कविता छपी, जबकि भोपाल से प्रकाशित एक अखबार में 20 जनवरी 1984 को गणतंत्र दिवस परिशिष्ट में उनकी कविता छपी तो उनका आत्मविश्वास बढ़ना स्वाभाविक था, लेकिन नवंबर 1978 में विवाह के बाद परिवार की जिम्मेदारी सर्वोपरि रही और लेखन नगण्य सा हो गया। बाद में पति व बच्चों के प्रोत्साहित करने पर फिर लेखन कार्य ही शुरु नहीं किया, बल्कि कुछ सामाजिक संस्थाओं से भी जुड़ गई।

राजश्री गौड़ का आधुनिक युग में हिन्दी साहित्य के महत्त्व और उपयोगिता को लेकर कहना है कि आरंभ में जहां पद्यात्मक शैली में साहित्य की रचनाएँ की गई, जिसके बाद बदलते समय-काल के अनुसार काव्य, गद्य में कहानी, एकांकी, लेख, उपन्यास लघुकथा और राष्ट्रवादी रचनाओं में राजनीतिक प्रभाव नजर आने लगा है। इसके बावजूद आज भी स्वस्थ साहित्य का विशेष स्थान है और रहेगा। इसका कारण है कि साहित्य की महत्ता को नकारा नहीं जा सकता, क्योंकि साहित्य समाज का दर्पण और पथ-प्रदर्शक भी है। बेशक आज साहित्यिक पुस्तकें कम पढ़ी जाती हैं, लेकिन पाठक कम नहीं हैं। इस इंटनेट और सोशल मीडिया के युग में अपनी पसंद से पाठक ऑनलाइन साहित्य पढ़ते हैं, जो सामाजिक दृष्टि से सकरात्मक पहलु है। यह भी सच है कि सोशल साइट्स पर साहित्य के अलावा देश दुनिया की बहुत सारी चीजें, मिल जाती हैं। इस आधुनिकीकरण की दौड़ में संस्कृति और संस्कारों में कमी होती नजर आ रही है। इसलिए आज की युवा पीढ़ी को साहित्य के प्रति स्कूल व कालेज स्तर पर भी प्रेरित करने की ज्यादा जरूरत है।

प्रकाशित पुस्तकें

महिला साहित्यकार राजश्री गौड़ की प्रकाशित 15 पुस्तकों में 12 साझा संग्रह और 3 एकल काव्य-संग्रह शामिल हैं। उनके काव्य संग्रह में 'धनक', ग़ज़ल-संग्रह 'तुमको भुलाया कहाँ है' और 'मत कहो ज़िन्दगी थमी है' शामिल है। हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा प्रकाशन हेतू पांडुलिपि तैयार है। इसके अलावा उन्होंने कोरोना काल में ई काव्य संकलन भी लिखा, वहीं ई-लघुकथा संकलन में हरियाणा के प्रमुख लघुकथा कार भी शामिल है। इसके अलावा उनकी पुस्तकों की लेखन विधा में कविता, ग़ज़ल, लेख, व्यंग्य लेख, लघुकथा, कहानी, बाल कविताएं भी शामिल हैं। कविता-कोश, साहित्य-पीडिया, क़ागज-दिल.कॉम पर भी उनकी रचनाएं उपलब्ध हैं।

राजश्री गौड़

पुरस्कार व सम्मान

राजश्री गौड़ को हिन्दी प्रचार प्रसार साहित्य अकादमी, भोपाल द्वारा तीन बार सम्मानित किया जा चुका है। प्रमुख रूप से उन्हें नारी गौरव सम्मान, श्रेष्ठ हिन्दी रचनाकार सम्मान, प्रेम-काव्य सम्मान, भारत के प्रतिभाशाली रचनाकार सम्मान, साहित्य-शिरोमणि सम्मान, सिद्धि साहित्य सम्मान, जैमिनी अकादमी सम्मान, भारत गौरव सम्मान के अलावा अंतरराष्ट्रीय ब्राह्मण मंच, जिया साहित्य मंच बैंगलोर, हिन्दी प्रचार प्रसार साहित्य अकादमी भोपाल, कागज-दिल साहित्य संस्था और जैमिनी साहित्य अकादमी पानीपत आदि साहित्यिक मंचों से पुरस्कार के साथ सम्मानित किया जा चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम: राजश्री गौड़
जन्मतिथि: 24 नवम्बर, 1956
जन्म स्थान: हथीन, जिला पलवल(हरियाणा)
शिक्षा: बीए, बीएड (हिंदू गर्ल्स कॉलेज सोनीपत)
सम्प्रति: समाज सेवा, स्वतंत्र लेखन
संपर्क: सेक्टर-15, सोनीपत हरियाणा।

साहित्य एवं साहित्यकारों से रूबरू कराती पुस्तक

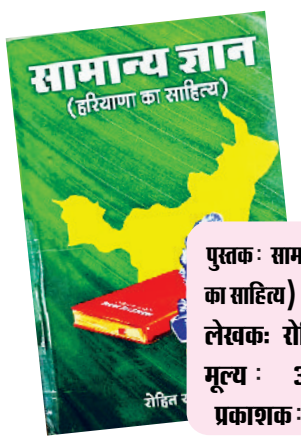

पुस्तक: सामान्य ज्ञान (हरियाणा का साहित्य)
लेखक: रोहित यादव
मूल्य: 300 रुपये
प्रकाशक: अनिल प्रकाशन

पुस्तक समीक्षा | शशि कांत चौहान

जिस तरह से अध्यापक बच्चों को पढ़ाकर शिक्षा की लौ जगाता है और देश का भविष्य गढ़ता है, उसी तरह से साहित्यकार भी अपना दायित्व निभाता है। साहित्यकार अपनी रचनाओं से समान को नई दिशा देता है। साहित्यकार अपनी रचनाओं से नई सोच का भी सृजन करता करता है।

समाज के प्रति अपनी यह जिम्मेदारी रोहित यादव ने बखूबी निभाई है। यूं तो उन्हें साहित्य की हर विधा में महारत हासिल है। रोहित यादव की हिन्दी साहित्य की विभिन्न विधाओं में अब तक पाँच दर्जन पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैंदोहा, कुंडली, कविता, कहानी और लघुकथा समेत हर विधा में अपनी लेखनी से साहित्य को समृद्ध किया है, लेकिन यह पुस्तक अपने आप में नया प्रयोग है।

रोहित यादव की पुस्तक सामान्य ज्ञान (हरियाणा साहित्य) प्रदेश के साहित्य और साहित्यकारों से रूबरू करवाती है। यह वास्तव में अनुपम कृति है। पुस्तक को प्रश्नोत्तर की शैली में तैयार किया गया है। इसमें लगभग साढ़े 800 प्रश्नों के उत्तर दिए गए हैं। साहित्य में रुचि रखने वाले लोगों के लिए उनकी हर जिज्ञासा को शांत करती नजर आती है यह पुस्तक।

रोहित यादव का प्रशोत्तर के रूप में पुस्तक को प्रकाशित करने का विचार भी अलग है। इतना ही नहीं लोक साहित्य और साहित्यकारों का उल्लेख ही नहीं किया है बल्कि उनकी कृतियों से भी परिचित करवाया है जो पुस्तक को और विशेष बनाता है। जैसा कि स्वयं लेखक ने भी अपनी पुस्तक में उल्लेख किया है। हरियाणवी प्रादेशिक साहित्य एवं साहित्यकारों का राष्ट्रीय स्तर पर प्रचार-प्रसार करना, वर्तमान युवा पीढ़ी को इस स्पृहणीय स्थिति से अवगत कराना, शोध एवं समीक्षा के क्षेत्र हेतु आधार सामग्री उपलब्ध कराना, प्रतियोगी परीक्षार्थ रोचक, दुर्लभ व मौलिक साहित्यिक जानकारी प्रदान करना उपन्यस्त संकलन का ध्येय है।

यह कृति केवल युवा विद्यार्थियों और शोधार्थी छात्रों के लिए ही नहीं वरन कुछ साहित्यकारों के लिए भी उपयोगी साबित होगी जो कुछ तथ्यों को कदाचित भूल गए होंगे। उन्हें लेखक ने पुस्तक में प्रकाशित करके फिर से उनकी स्मृति पटल पर ला दिया है।

पुस्तक की भाषा शैली चिर परिचित अंदाज में सहज एवं सरल है। महत्वपूर्ण सामग्री के चलते पुस्तक संग्रहणीय बन पड़ी है।

खबर संक्षेप

दहेज उत्पीड़न मामले में एक गिरफ्तार

कुंड। थाना खोल पुलिस ने दहेज उत्पीड़न के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। क्षेत्र के एक गांव निवासी विवाहिता ने ससुराल पक्ष के लोगों पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने का आरोप लगाया था। पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच सुलहनामा कराने के प्रयास किए थे। बातचीत सिरे नहीं चढ़ने के कारण पुलिस ने 28 जून को विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। पुलिस ने इस मामले में झाड़ोदा निवासी प्रदीप को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस पर रिहा कर दिया।

फायर ब्रिगेड कर्मी की बाइक ले गए चोर

रेवाड़ी। देहलावास गांव से चोर एक फायर ब्रिगेड कर्मी की बाइक चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में देहलावास निवासी मदन सिंह ने बताया कि वह बावल फायर ब्रिगेड में तैनात है। घर से बाइक लेकर वह ड्यूटी करने के लिए निकला था। उसने गांव में ही बनी डेयरी के पास बाइक खड़ी की थी। इसके बाद वह ड्यूटी पर चला गया। शाम को जब ड्यूटी से वापस आया तो उसे बाइक नहीं मिली। आसपास काफी पूछताछ करने के बाद भी बाइक का कोई पता नहीं चला। रामपुरा पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

मारपीट करने के तीन आरोपी गिरफ्तार

कोसली। पुलिस ने मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामलों में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जुड्डी में 28 जून को मारपीट के बाद दर्ज किए गए मामले में पुलिस ने गांव निवासी आकाया और सन्नी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बाद में दोनों को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया। नाहड़ गांव में मारपीट मामले में 23 जून को केस दर्ज किया गया था। इस केस में पुलिस ने नाहड़ निवासी रामकृष्ण को गिरफ्तार कर लिया। बाद में पुलिस ने उसे भी पुलिस बेल पर रिहा कर दिया।

सोसायटी के पास आने के बाद युवक लापता

धारूहेड़ा। भिवाड़ी से बहरोड़ के लिए निकला एक युवक रहस्मय परिस्थितियों में लापता हो गया। उसकी बाइक द्वारकाधीश सोसायटी के पास बरामद हुई है। पुलिस शिकायत में राजस्थान के भिवाड़ी निवासी भूमि ने बताया कि उसका पति सुनील 29 जून को सुबह 11 बजे बाइक लेकर बहरोड़ के लिए निकला था। पति के दोस्त सुनील ने उसे फोन पर बताया कि सुनील का मोबाइल फोन बंद आ रहा है। इसके बाद उसकी तलाश शुरू की गई, तो बाइक द्वारकाधीश सोसायटी के पास मिली। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद युवक की तलाश शुरू कर दी।

मारपीट व धमकी देने के आरोपी काबू

रेवाड़ी। थाना सदर पुलिस ने गोकलगढ़ में घर में घुसकर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ित पक्ष के बयान पर गत 29 जून को विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी। जांच के बाद पुलिस ने गांव निवासी महमपाल और मनोज कुमार को इस मामले में गिरफ्तार कर लिया। बाद में दोनों आरोपियों को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

विभिन्न मामलों में तीन आरोपी किए काबू

रेवाड़ी। पुलिस ने अलग-अलग मामलों में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना बावल पुलिस ने वर्ष 2023 में दर्ज किए गए कॉपी राइट एक्ट के एक मामले में सांझरपुर निवासी लोकेश व राजू को गिरफ्तार किया है। केस दर्ज होने के बाद पुलिस ने मामले की जांच करते हुए दोनों को काबू किया है। गत वर्ष 24 अक्टूबर को रास्ता रोककर मारपीट करने के आरोप में दर्ज किए गए केस में पुलिस ने रोहतक के खरावड़ निवासी रोहित को गिरफ्तार किया है। तीनों आरोपियों को बाद में पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

करीब 16 दिन तक नहर में पानी चलेगा, नियमित रहेगी सप्लाई

शहर में तीस दिन बाद सुचारू हुई पानी की सप्लाई, मिली राहत

आबादी बढ़ने के साथ जनस्वास्थ्य विभाग के पास नहीं पर्याप्त पानी की स्टोरेज क्षमता, नए वाटर वर्क्स के लिए नहीं मिल रही जमीन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। नहर आने पर पानी से भरा कालाका वाटर टैंक।

जेएलएन नहर आने के बाद तीस दिन बाद रविवार से शहर को सुचारू पेयजल आपूर्ति मिलना शुरू हो गई है। 31 मई को नहर में पानी आना बंद होने के बाद शहरवासियों को एक जून से एक दिन छोड़कर एक दिन पेयजल आपूर्ति दी जा रही थी। जनस्वास्थ्य विभाग के जेई हेमंत कुमार व सुनील कुमार ने बताया कि जेएलएन नहर में 27 जून की रात पानी पहुंचने के बाद सभी टैंकों में पानी की स्टोरेज कर ली गई है। जनस्वास्थ्य विभाग के कालाका व लिसाना वाटर वर्क्स के टैंकों में पानी स्टोरेज हो गया है। उन्होंने बताया कि जब तक नहर में पानी चलेगा, तब तक सप्लाई नियमित ही रहेगी। बता दें कि अभी पूरे शहर में पेयजल किल्लत चल रही थी। ऐसे में शहरवासियों को पीने के पानी के लिए बड़ी परेशानी उठानी पड़ रही थी। इधर, अभी ये बताया जा रहा है कि अब आगे बरसाती सीजन में लगातार नहर में पानी चलने के आसार है। गर्मी के मौसम में पानी की खपत ज्यादा होने से किल्लत शुरू हो जाती है। 31 मई को जेएलएन नहर में पानी आना बंद हो गया था। उसके बाद 28 दिन बाद 27 जून को नहर में पानी आना शुरू हुआ है। शहर की आबादी लगातार बढ़ती जा रही है, जनस्वास्थ्य विभाग की ओर से वाटर स्टोरेज क्षमता कम होने के कारण जल्दी ही पानी की राशनिंग शुरू कर दी जाती है। शहर में कई कॉलोनियों में तो पानी की सप्लाई ही नहीं पहुंच रही है। जेएलएन नहर के बंद होने के बाद विभाग की ओर से हर बार कम से कम एक पखवाड़े तक रोस्टर आधार पर पानी की सप्लाई की जाती है। जनस्वास्थ्य विभाग की ओर से नया वाटर वर्क्स बनाया जाना है, लेकिन लंबे समय से विभाग को जमीन नहीं मिल रही है।

कम पड़ने लगी स्टोरेज क्षमता

शहर में प्रतिदिन 24.82 मिलियन लीटर से ज्यादा पानी की खपत होती है। लिसाना वाटर वर्क्स से प्रतिदिन 4.32 मिलियन लीटर पानी की खपत होती है। कालाका वाटर वर्क्स से प्रतिदिन 20.5 मिलियन लीटर पानी की खपत होती है। पब्लिक हेल्थ के पास कालाका वाटर वर्क्स में पांच और लिसाना में पानी के दो स्टोरेज टैंक हैं। नहरी पानी के नियमित रूप से नहीं आने के कारण इन टैंकों की स्टोरेज क्षमता शहर को पर्याप्त पेयजल आपूर्ति नहीं दे पा रही है। आबादी बढ़ने के साथ टैंकों की स्टोरेज क्षमता कम पड़ने लगी है।

नियमित रहेगी सप्लाई

नहर चलने तक नियमित रहेगी सप्लाई टैंकों में पानी का स्टोरेज करके शहर में पेयजल सप्लाई नियमित कर दी गई है। करीब 16 दिन तक नहर में पानी चलेगा, तब तक नियमित पानी की सप्लाई दी जाएगी। पूरे शहर में काफी दिनों से पेयजल किल्लत चल रही थी। अब नहर आने से शहरवासियों को पीने के पानी के लिए परेशानी नहीं उठानी पड़ेगी। बरसाती सीजन में लगातार नहर में पानी चलने के आसार है।
हेमंत कुमार, जेई, पब्लिक हेल्थ विभाग।

कॉलेज के संस्थापक की जयंती मनाई

■ डीएवी महिला महाविद्यालय के संस्थापक की जयंती पर हवन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

रेवाड़ी। डीएवी महिला महाविद्यालय में हवन करते हुए।

कोसली निवासी व डीएवी महिला महाविद्यालय के संस्थापक पूर्व मंत्री राव रामनारायण की 112वीं जयंती पर रविवार को महाविद्यालय के प्रांगण में हवन किया गया तथा स्व. राव रामनारायण की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उनके कार्यों को याद किया गया। वक्ताओं ने कहा कि कोसली में डीएवी महाविद्यालय शुरू कराने वाले स्व. राव रामनारायण ने सदैव जनहित व विकास को सर्वोपरि रखा तथा वह हमेशा लड़कियों की शिक्षा पर जोर देते थे। इस अवसर पर, ओमप्रकाश, रामफल, अनिल पंच, कैप्टन कर्मसिंह पंच, दयानंद आर्य, राजसिंह आर्य व प्रीत सिंह आर्य सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

आजाद समाज पार्टी की मजबूती का ग्राम स्तर पर अभियान शुरू

■ बैठक कर बताई ग्रामीणों को पार्टी की नीतियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। बैठक करते हुए आजाद समाज पार्टी के कार्यकर्ता।

आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद की उत्तर प्रदेश में जीत के बाद कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह है। भीम आर्मी जिला प्रभारी रोहित वाल्मीकि ने कहा कि हरियाणा प्रदेश में आगामी चुनाव के लिए पार्टी संगठन को ग्राम स्तर से बूथ स्तर तक मजबूत करने और सभी जिलों की कार्यकारिणी गठित करने का कार्य शुरू कर दिया गया है। रोहित ने कहा कि पार्टी का हर कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर समाज में राजनीतिक चेतना पैदा करने और महिलाओं को उनके हक अधिकारों के प्रति जागरूक करने का काम करेगा। पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। आजाद समाज पार्टी हरियाणा में पूरी मजबूती से चुनाव लड़ेगी। पार्टी रेवाड़ी जिले की तीनों विधानसभा से उम्मीदवार उतारने की तैयारी कर रही है। पार्टी के कार्यकर्ता अपनी मेहनत और समर्पण से समाज में बदलाव लाने का कार्य करेंगे।

बंद फैक्ट्री में कर रहे थे चोरी तीन को मौके पर दबोचा

हरिभूमि न्यूज. रेवाड़ी

जीतपुरा में एक बंद फैक्ट्री में बार-बार चोरी की वारदात हो रही थीं। पुलिस एफआईआर दर्ज कर चुकी थी, लेकिन आरोपियों का पता नहीं लगा सकी।

फैक्ट्री मालिक ने लोगों की मदद से दो आरोपियों को फैक्ट्री में चोरी करने के आरोप में काबू करने के बाद पुलिस के हवाले कर दिया। बड़ा तालाब निवासी डा. घनश्याम मित्तल ने पुलिस शिकायत में बताया कि उसकी जीतपुरा में एक बंद फैक्ट्री है। कई दिनों से फैक्ट्री में बार-बार चोरी हो रही है। चोर फैक्ट्री के दरवाजे तक चोरी कर ले गए। चोर बिजली ट्रांसफार्मर की क्वाइलें भी चोरी कर चुके हैं। पहले भी करीब 8 लाख रुपये का सामान चोरी करने के बाद फैक्ट्री में आग लगा दी थी। शनिवार को किसी ने उसे फोन पर सूचना दी कि कुछ लोग बंद फैक्ट्री में घुसकर चोरी की वारदात को अंजाम दे रहे हैं। सूचना मिलने के बाद वह फैक्ट्री पहुंचा तो दो व्यक्ति बाइक पर बनाई रिक्शा में दो दरवाजे, दो खिड़कियां व एक जाली डाल चुके थे। उसे देखकर दोनों भागने लगे। लोगों की मदद से दोनों को वहीं काबू कर लिया गया। इसके बाद पुलिस को मौके पर बुलाकर दोनों पुलिस के हवाले कर दिए। पुलिस ने जिन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, उनमें यूपी के भामोरा निवासी कासिम व समीर तथा विधानंगला निवासी खालिद शामिल हैं।

नैतिक ने गोल्ड व वंश ने वूशु में जीता सिल्वर

रेवाड़ी। 14वीं हरियाणा जूनियर और यूथ वूशु राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन भिवानी की राजपूत धर्मशाला में किया गया, जिसमें सभी जिले के खिलाड़ियों ने भाग लिया। रेवाड़ी से वूशु सचिव राहुल ने बताया युग चौहान ने 45 किलोग्राम में कांस्य पदक, माहिर यादव 60 किलोग्राम में कास्य पदक, दीपांशी ने 60 किलोग्राम में कास्य पदक तथा वंश ने यूथ में सिल्वर, नैतिक ने 52 किलोग्राम यूथ में स्वर्ण पदक हासिल करके जिले का नाम रोशन किया है तथा तत्वालु इवेंट में अंजलि ने चनकवान में सिल्वर पदक तथा ननकवान में उज्जवल ने सिल्वर पदक हासिल किया। जिले से जज के रूप में नरेंद्र व उपेश ने भूमिका निभाइ। ग्राम पंचायत और परिवार ने भी सभी खिलाड़ियों का स्वागत किया।

श्याम महोत्सव में भजनों से बाबा की महिमा का गुणगान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| डहीना

रेवाड़ी। जागरण में भजन गाते हुए श्वेता शर्मा।

श्री श्याम सेवक परिवार डहीना की ओर से गत रात्रि श्याम बाबा का द्वितीय वार्षिक महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस असवर पर आयोजित जागरण में गायक कलाकारों ने बाबा की महिमा का गुणगान किया। गायक कलाकार कमल कान्हा अलवर, श्वेता शर्मा अलवर, सागर शर्मा गुरुग्राम व डा. प्रदीप यादव डहीना ने मनमोहक भजनों से जागरण में समां बांधा। इस अवसर पर भंडारे का भी आयोजन किया गया। जागरण में कोसली, कनीना, सुबाना, महेंद्रगढ़ व रेवाड़ी से अनेक श्रद्धालु मौजूद थे। कमलकांत पुजारी जोरासी धाम एवं प्रदीप मिश्रा कनीना धाम ने जागरण का शुभारंभ किया। इस मौके पर मंडल सदस्य अमित सिंघल, ललित, अमित, पंकज, अंकित, मनोज, निखिल, मुकेश, हेमंत व दीपक सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

जैन सेंटर दे रहा फिजियोथैरेपी सेवा लोगों को मिल रहा शारीरिक लाभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

■ समाजसेवा अगर नि:स्वार्थ भाव से की जाए तो मानवता का कर्तव्य सही मायनों में निभाया जा सकता है: रविंद्र सिंह

श्री एसएस जैन सभा एवं सेवा भारती हरियाणा प्रदेश शाखा नारनौल के तत्वाधान में राष्ट्र संत उपाध्याय अमर मुनि महाराज साहब की स्मृति में पिछले दो महीने से चल रहे जैन फिजियोथेरेपी सेंटर में रविवार को नगर के सुप्रसिद्ध समाजसेवी रविंद्र सिंह चौधरी (मटरू) अपनी धर्मपत्नी सहित पहुंचे। यहां चल रहे जैन फिजियोथेरेपी सेंटर द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं को देखकर बहुत प्रसन्नता हुए। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार यहां बहुत ही नाम मात्र दर पर जो सेवाएं प्रदान की जा रही है, यह हमारे नगर के लोगों के बहुत ही बहुत फायदेमंद साबित हो रहा है। उन्होंने बताया कि मानसिक तनाव, घुटनों, पीठ या कमर में दर्द, लकवा, हियरिंग लॉस, नींद नहीं आना, फ्रीजिंग शोल्डर जैसे कई रोगों का बिना दवा खाए या चीरा लगवाए फिजियोथेरेपी एक असरदार तरीका है। वर्तमान में अधिकांश लोग दवाओं के झंझट से बचने के लिए फिजियोथेरेपी की ओर रुख कर रहे हैं। दिल्ली से पधारे लकवे के मरीज गजानंद बारी ने कहा कि लकवा आने के बाद डॉक्टर्स के कहने पर दिल्ली में लगातार दो महीने तक इलाज करवाने पर जब कोई फर्क नहीं हुआ तो बेटी उसे नारनौल जैन फिजियोथेरेपी ले कर आ गई तो यह उन्हें एक महीने में बहुत आराम मिल गया है।

नेहरू पार्क सुधार समिति की बैठक आयोजित, संरक्षक नियुक्त

■ वार्षिक बैठक में सदस्यों को बताई आगामी रणनीति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। बैठक में उपस्थित समिति के पदाधिकारी व सदस्य।

रविवार को नेहरू पार्क सुधार समिति की वार्षिक बैठक शिव मंदिर नई अनाज मंडी में प्रधान दीपक मंगला की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें संस्था के सालाना आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। प्रधान ने बताया कि नगर परिषद की ओर से नेहरू पार्क की घास व वृक्ष कटिंग, सिंचाई व्यवस्था व सफाई के लिए 74141.69 हर महीने के लिए निर्धारित किए है। समिति के सदस्यों ने कहा सब मिलकर नेहरू पार्क में अपना सहयोग देने के लिए तैयार हैं। समिति ने सुनील भार्गव, राजेंद्र सिंघल नगर पार्षद व नरेश मित्तल को नेहरू पार्क सुधार समिति के संरक्षक के तौर पर नियुक्त किया है ताकि उनकी देखरेख में संस्था के पदाधिकारी व अन्य सदस्य कार्य कर सकें। इस मौके पर उप समिति का भी गठन किया गया। उप समिति में सत्यनारायण शर्मा, सुनील गर्ग एडवोकेट, राजेश कुमार सैनी, संजय चौहान व उमेश शर्मा को शामिल किया गया। संस्था के प्रधान दीपक मंगला ने कहा कि सभी सदस्यों के साथ मिलकर नेहरू पार्क के सौन्दर्यकरण व व्यवस्था पर पूरा ध्यान दिया जाएगा। इस मौक पर समिति के उप प्रधान केके जांगिड़, महासचिव एडवोकेट मधुसूदन शर्मा, सहसचिव दिनेश अग्रवाल, नगर पार्षद भूपेंद्र सिंह गुप्ता, संजय सिंह, डा. कंवर सिंह, गिरीशकांत, उमेश शर्मा, हरीश कुमार, शिवचरण गुप्ता, अनिल गर्ग, महेश कुमार गोयल, निरंजन लाल गुप्ता, धनवीर सिंह, कैलाश चंद गुप्ता, दिनेश कुमार, सुनील कुमार, एस के जोशी, जगराम, जगदीश शर्मा, रिशु यादव, सत्यनारायण, राजेश सैनी, एडवोकेट रोशनलाल आदि रहे।

रेवाड़ी। कैंप में मरीज को परामर्श देते डॉक्टर।

यादव सभा के कैंप में 113 लोगों की स्वास्थ्य जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

यादव कल्याण सभा की ओर से रविवार को गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्रीकृष्ण भवन में फ्री चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 113 मरीजों की जांच करके फ्री दवाईयां प्रदान की गई। शिविर मे डा रविराव ने मेडिसिन, डॉ अजय यादव ने हड्डीरोग, डॉ अभिनव राव ने सर्जरी, डॉ अनिल यादव ने दंतरोग, डॉ गौतम यादव ने नेत्ररोग व डॉ सुरेंद्र यादव ने स्त्रीरोग में ओपीडी सेवाएं प्रदान की। शिविर में डा. यशपाल यादव, जसवंत सिंह, राम सिंह, गोकल राम,अमर सिंह, सुरेंद्र सिंह, सभा प्रवक्ता प्रोफेसर सतीश यादव व बिक्रम ने सहयोग दिया।

ब्राह्मण सभा की आगामी कार्यकारिणी के लिए 8 को जारी होगी सूची

नेत्र जांच व स्वास्थ्य जांच शिविरों का होगा आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। आमसभा को संबोधित करते प्रधान चंद्रशेखर गौतम।

रविवार को ब्रह्मगढ़ परिसर में ब्राह्मण सभा के पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों व कॉलेजियम सदस्यों की आमसभा का आयोजन सभा प्रधान चंद्रशेखर गौतम की अध्यक्षता में किया गया। सभा प्रधान गौतम ने सदस्यों को सभा के 3 वर्ष में विस्तारीकरण और समाजहित में विभिन्न कार्य योजना को लागू करने में सभी के सहयोग के लिए आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि सभा की ओर से लोगों के लिए विभिन्न नेत्र जांच व स्वास्थ्य जांच शिविर लगाए गए है। उन्होंने समाज के लोगों के लिए समाजहित में सभा की ओर से विवाह योग्य बच्चों के लिए शुभ संबंध कार्यक्रम प्रत्येक रविवार को चलाया हुआ है। गौतम ने कहा कि सभा के 3 वर्ष का कार्यकाल शीघ्र पूरा होने जा रहा है, आगामी कार्यकारिणी के लिए सभा के सभी सदस्यों की सूची 8 जुलाई को वार्ड के रूप में ब्रह्मगढ़ में चस्पा दी जाएगी तथा 23 जुलाई तक किसी भी सदस्य की त्रुटि के लिए आपत्तियां ली जाएगी। वर्तमान में सभा के नए 910 सदस्यों की सूची चस्पा दी जाएगी। सभा के चुनावों के लिए चुनाव अधिकारी सतबीर सिंह यादव सेवानिवृत्त प्राचार्य व सहायक चुनाव अधिकारी सोमदत्त शर्मा को नियुक्त किया गया है।

उपप्रधान दीपक मुदगिल एडवोकेट ने सभा की प्रगति रिपोर्ट और आगामी योजनाओं के बारे में बताया। कोषाध्यक्ष खुशहाल शर्मा ने आय-व्यय व ऑडिट रिपोर्ट के बारे में जानकारी दी। कॉजेजियम सदस्य प्रोफेसर सुधीर त्यागी ने ब्राह्मण सभा को दो बड़े कूलर देने की घोषणा की। सभा के संस्थापक पूर्व प्रधान विष्णुदत्त शर्मा एडवोकेट ने ब्रह्मगढ के इतिहास पर प्रकाश डाला। मंच संचालन राकेश वत्स ने किया। बैठक में एडवोकेट आर पी मुदगिल, डीपी शर्मा, टेकचंद शर्मा, सहसचिव राजेश शर्मा, पूर्व कार्यकारी प्रधान प्रेम कौशिक, भूपेंद्र भारद्वाज, जय कुमार कौशिक, महेंद्र शर्मा, जितेंद्र तिवाड़ी, एससी शर्मा, प्रेस सचिव रमेश वशिष्ठ, सतीश मस्तान, दीपक शर्मा, नरेश शर्मा, अनिल शर्मा, दिनेश वशिष्ठ, सुशील स्वामी एडवोकेट, मनीष जोशी, संदीप भारद्वाज, विनोद कौशिक मोहन तिवारी, रवि शर्मा, दलीप शास्त्री, सुरेश शर्मा, भास्कर शर्मा, नत्थू शर्मा विनोद शर्मा, प्रदीप शर्मा, दाता राम शर्मा ,संजय निर्मल, सुरेंद्र शर्मा, संजय कौशिक, नारायण शर्मा, रामकिशन शर्मा मुदगिल, चन्द्र कांत कौशिक, जितेन्द्र शर्मा, महेश वशिष्ठ, सुनील शर्मा, सुभाष भारद्वाज, महेश कुमार, उमेश शर्मा, राजेश शर्मा, लक्ष्मी देवी, शशिकांता शर्मा व कृष्णा शर्मा उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में तीन आरोपी।

बंद फैक्ट्री से सामान चोरी करने वाले तीन काबू

धारूहेड़ा। मीरपुर चौकी पुलिस ने बंद फैक्ट्री से सामान चोरी करने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान यूपी के जिला बरेली के गांव ओला हाल झुग्गी झोपड़ी बावल निवासी समीर रजा, यूपी के जिला बदायु के गांव उदयपुर हाल झुग्गी झोपडी बावल निवासी कासिम व यूपी के जिला बदायु के गांव बिदा नगला हाल झुग्गी झोपडी बावल निवासी खालिद के रूप में हुई है। मोहल्ला बड़ा तालाब निवासी डॉ घनश्याम मित्तल ने गांव जीतपुरा में एक फैक्ट्री खरीद रखी है।

रेवाड़ी। कार्यशाला में उपस्थित पीएम श्री स्कूलों का स्टाफ।

शिक्षकों की तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित

कुंड। पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खोरी में समग्र शिक्षा के तहत राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद हरियाणा गुरुग्राम की ओर से पीएम श्री विद्यालयों के शिक्षकों के लिए तीन दिवसीय क्षमता निर्माण संवर्धन व लीडरशिप गुणों का विकास संबंधी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विद्यालय में कार्यरत स्टाफ सदस्यों सहित अन्य जिलों से 40 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। राज्य के सभी पीएम श्री विद्यालयों में ऑनलाइन कार्यशाला में प्रशिक्षकों की ओर से पीएमएस विद्यालय के महत्व, ग्रीन व क्लीन विद्यालय, नई शिक्षा नीति 2020, एक्शन प्लान, सेल्फ डिफेंस, व्यावसायिक शिक्षा, डिजीटल लर्निंग और मेंटल हेल्थ संबंधी जानकारी दी गई। खंड शिक्षा अधिकारी संतोष तंवर, खंड संसाधन समन्वयक राकेश वत्स, प्रधानाचार्य ओम प्रकाश यादव मंदोला, ने प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया।

हल्की बरसात के बाद उमस ने निकाला पसीना, दूसरे दिन कई इलाकों में हल्की बरसात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

तापमान में साढ़े चार डिग्री सेल्सियस की बढ़ौतरी, आज से फिर झमाझम बरसात होने की संभावना

रेवाड़ी। रविवार शाम को मौसम साफ रहने के बाद छिपते सूर्यदेव। फोटो :हरिभूमि

शहर में लगातार दो दिन तक हुई बरसात के बाद धूप निकलते ही उमस भरी गर्मी ने लोगों को बेहाल कर दिया। दोपहर बाद तक गर्मी लोगों के पसीने छुड़ाती रही। कुछ इलाकों में तेज हवाओं के साथ बौछारें गिरीं। आसमान में बादल छाए रहे। तापमान बढ़ने के कारण उमस भरी गर्मी ने जमकर पसीना छुड़ाया। जुलाई माह के शुरू से ही अच्छी बरसात का सिलसिला होने की संभावना जताई जा रही है। आसमान में बादल छाने के बाद हल्की या तेज बरसात की संभावना बनी हुई थी। शहरी क्षेत्र में दो दिन में लगभग 60 एमएम तक बरसात रिकॉर्ड की गई, लेकिन ग्रामीण इलाकों में लोगों को बरसात के दर्शन नहीं हुए। रविवार को तेज धूप निकलने के कारण हवा में नमी के बढ़े हुए स्तर ने उमस और चिपचिपाहट बढ़ा दी, जिससे लोगों के दिन भर पसीने छूटते रहे। कूलरों की हवा तक ने काम करना बंद कर दिया। अधिकतम तापमान 4.5 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 35.5 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। न्यूनतम तापमान 1 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि के साथ 26.5 डिग्री दर्ज किया गया। शहरी क्षेत्र में रविवार को बरसात नहीं हुई, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में कहीं हल्की बरसात तो कहीं बौछारें गिरीं। रविवार सुबह 8 बजे तक रेवाड़ी खंड में 12 एमएम, धारूहेड़ा में 9.5 एमएम और बावल में 11 एमएम बरसात रिकॉर्ड की गई। कोसली, नाहड़, डहीना, पाल्हावास और नाहड़ खंडों में इस अवधि के दौरान बरसात नहीं हुई। सुबह 10 बजे के बाद डहीना व मनेठी खंडों में बौछारें गिरीं, परंतु अच्छी बरसात कहीं नहीं हुई। मौसम विभाग का अनुमान है कि 1 जुलाई से अच्छी बरसात शुरू हो सकती है, जो लगभग एक सप्ताह तक रुक-रुककर होती रहेगी। इस दौरान तापमान में मामूली उतार-चढ़ाव बना रहेगा।

बिजली की मांग 15 लाख यूनिट घटी

बरसात का सिलसिला शुरू होने के बाद भारी गर्मी के तेवर नरम पड़ चुके हैं। जून माह के मध्य में भारी गर्मी के कारण बिजली की खपत जिले में 1 करोड़ यूनिट दैनिक तक पहुंच गई थी। मौसम में बदलाव के बाद बिजली की खपत कम होकर 85 लाख यूनिट के आसपास आ गई है। निगम अधिकारियों के अनुसार अच्छी बरसात होने के बाद बिजली की डिमांड और कम हो जाएगी। यह 60 लाख यूनिट के आसपास आ जाएगी। लोगों को अनावश्यक पावर कटों से राहत मिलती रहेगी।

खत्म नहीं हो रहा किसानों का इंतजार

बाजरा उत्पादक किसान लगातार बरसात का इंतजार कर रहे हैं। जिले में लगभग 35 हजार हेक्टेयर भूमि पर बाजरे की खेती की जाती है। बाजरे की बिजाई का समय आ चुका है, परंतु बरसात नहीं होने के कारण किसान बिजाई शुरू नहीं कर पा रहे हैं। किसानों ने करीब एक माह पहले की बिजाई के लिए खेत तैयार कर लिए थे, ताकि पहली बारिश के बाद ही बिजाई की जा सके। बरसात नहीं होने के कारण किसानों का इंतजार लंबा खिंचता जा रहा है।

डिलीवरी के लिए इधर-उधर भटकने को मजबूर प्रसुताएं

नाहड़ सीएचसी में पिछले दस महीने से नहीं एलएमओ, गर्भवती महिलाओं को परेशानी

सीएचसी में लेडी डॉक्टर न होने से 56 गांव प्रभावित, हर माह डिलीवरी के लिए आ रही 25 के करीब गर्भवती महिलाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नाहड़

रेवाड़ी। गर्भवती महिलाओं को परामर्श देते डॉ योगेन्द्र व जांच के लिए स्लिप बनवाती महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नाहड़ में पिछले कई महीनों से एलएमओ नहीं होने के कारण महिलाओं को समस्या का सामना करना पड़ रहा है। खासकर गर्भवती महिलाओं को मेडिकल ऑफिसर से ही सलाह लेनी पड़ती है तथा डिलीवरी के लिए इधर-उधर जाना पड़ता है। महिलाओं का कहना है कि बाहर जाने पर पैसे तथा समय दोनों की बबार्दी होती है।

एएनसी-डे पर की जाती खानापूर्ति

प्रधानमंत्री मातृत्व योजना के अंतर्गत एएनसी-डे पर गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच की जाती है। नाहड़ सीएचसी में एलएमओ नहीं होने के कारण दूसरे स्वास्थ्य केंद्रों से महिला डॉक्टर बुलाकर गर्भवती महिलाओं की जांच कराई जाती है। कई बार एलएमओ अवेलेबल नहीं होने के कारण आयुर्वेदिक डॉक्टर को बुलाकर ही खानापूर्ति कर दी जाती है या फिर पुरुष मेडिकल ऑफिसर की ओर से सलाह दी जाती है।

हर माह डिलीवरी के लिए आ रही महिलाएं

स्वास्थ्य कर्मियों के अनुसार सीएचसी नाहड़ में करीब 25 से 30 महिलाएं हर माह डिलीवरी के लिए आती हैं। सामान्य डिलीवरी तो नर्सों की ओर से करा दी जाती है, लेकिन कंप्लीटकेटिड केस के कारण एलएमओ के अभाव में उन्हें रेवाड़ी रेफर कर दिया जाता है, जिससे पूरे परिवार को परेशानी का सामना करना पड़ता है। ग्रामीण कई बार उच्च अधिकारियों से सीएचसी में एलएमओ की व्यवस्था कराने की मांग कर चुके है।

चार दर्जन से अधिक गांव प्रभावित

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शुगर, बीपी, पेशाब, हीमोग्लोबिन, ऑक्सीजन सिलेंडर व कंसिस्टर के अलावा डिलीवरी की भी सुविधा है, लेकिन स्पेशलिस्ट तथा महिला चिकित्सक के न होने के कारण महिलाओं को परेशानी झेलनी पड़ रही हैं। उनको डिलीवरी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ता है। पुरुष डॉक्टरों से ही सलाह लेनी पड़ती है। सीएचसी नाहड़ के अंतर्गत 56 गांव तथा गुड़ियानी, रतनगढ़, बव्वा व लिलोढ़ चार पीएचसी आती हैं। एलएमओ नहीं होने के कारण यह सभी प्रभावित हो रहे है।

दस माह से नहीं लेडी डॉक्टर

सीएचसी नाहड़ में पिछले करीब 9 से 10 माह से लेडी डॉक्टर के न होने से गर्भवती महिलाओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। डॉ प्रीति यादव तथा डॉ वैष्णवी के दस माह पूर्व पीजी के लिए जाने से यहां पर पद रिक्त हैं। लेडी डॉक्टर के अभाव में नर्सों की ओर से कुछ सामान्य डिलीवरी तो करा दी जाती हैं, लेकिन काफी केसों को रेवाड़ी के लिए रेफर कर दिया जाता है, जिससे पेसेंट व परिवार को परेशानी उठानी पड़ती है।

जल्द व्यवस्था होने की उम्मीद

एलएमओ के अभाव में महिला पेशेंट को असुविधा होना स्वाभाविक है। एएनसी-डे पर गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच के लिए दूसरे स्वास्थ्य केंद्रों से लेडी डॉक्टर को बुलाकर जांच कराई जाती है। पीएचसी बव्वा में ज्वाइन करने वाली डॉ प्रतिमा को वैकल्पिक तौर पर तीन दिन के लिए नाहड़ सीएचसी में बुलाया था, लेकिन स्वास्थ्य संबंधी दिक्कत के कारण वह सेवाएं नहीं दे पा रही हैं। एलएमओ की व्यवस्था के लिए उच्च अधिकारियों से मांग की गई है। जल्दी ही व्यवस्था होने की उम्मीद है।

डॉ मनीष, इंचार्ज, सीएचसी नाहड़।

रेवाड़ी। अतिथियों को सम्मानित करते संस्था सदस्य।

भगवान श्रीकृष्ण ने सुनी द्रौपदी की पुकार

■ अर्जुन की भक्ति भावना से प्रसन्न होकर भगवान श्री कृष्ण बने सारथी : अनिरुद्ध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

हमारा परिवार संस्था की ओर से रविवार को प्रभु चरणों में समर्पण कार्यक्रम 'मेरी लगी श्याम संग प्रीत दुनिया क्या जाने' का आयोजन पंजाबी धर्मशाला में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आशीष वीर समिति के प्रधान कैप्टन वीर सिंह यादव, नव प्रेरणा के प्रधान हरीश मलिक व संस्था के संयोजक दिनेश कपूर ने कहा कि द्रोपदी पांच महाबली पांडवों की पटरानी थी। राजसभा में जिस समय दुर्योधन ने द्रौपदी को जुए की बाजी में जीत लिया। दुशासन द्रौपदी को भरे दरबार में लेकर आया। द्रौपदी ने भीष्म पितामह, गुरु द्रोणाचार्य, गुरु कृपाचार्य व अपने 5 महाबली पतियों से दुष्ट दुशासन के चंगुल से बचाने की पुकार की, लेकिन कोई उसकी मदद को नहीं आया। अंततः उसने भगवान कृष्ण के चरणों में पुकार की। कान्हा जी एक पल में द्रोपदी की मदद को पहुंच गए व दुष्ट दुर्योधन से उसकी रक्षा की। विजय शर्मा महासचिव अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण सभा हरियाणा, पतंजलि के जिला प्रभारी दयाराम आर्य, पवित्रा प्रतिष्ठा के अध्यक्ष प्रोफेसर अनिरुद्ध यादव, यतीश सिंगल व संस्था के प्रधान अरुण गुप्ता ने कहा कि अर्जुन की भक्ति भावना को देखते हुए भगवान श्री कृष्ण ने उसका सारथी होना स्वीकार किया। युद्ध में अर्जुन का उचित मार्गदर्शन करते हुए पांडवों को विजयी बनाया। क्योंकि पांडव धर्म की रक्षा के लिए लड़ रहे थे। कार्यक्रम में सभी ने श्याम भजनों का आनंद लिया। भारत के टी-20 का विश्व कप जीतने पर देशभक्ति गीत पर जश्न मनाया गया। उल्लेखनीय सेवाओं के लिए प्रोफेसर सी एल सोनी, प्राचार्य राजेंद्र सिंह यादव, जूही पिपलानी, नेहा व हांस्य कलाकार प्रदीप शर्मा गुड्डू को सम्मानित किया गया तथा अतिथियों को कृष्ण भगवान के चित्र व स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। इस मौके पर समाजसेवी राजेंद्र गेरा, अध्यापक देवेंद्र कुमार, राजवीर सिंह, मनोज जैन, सोनू अग्रवाल, कपिल कपूर, पूर्वांशी, प्रीति, सोनिया कपूर, पुरुषोत्तम नंदवानी, राहुल कालड़ा, शिक्षाविद गीता देवी, हिमांशु पिपलानी व किशोरी लाल नंदवानी सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

शिव मंदिर में मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा 15 को

रेवाड़ी। बालाजी धर्मार्थ समिति की ओर से संचालित आजाद चौक स्थित शिव मंदिर में 15 जुलाई को शिव परिवार मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। मंदिर के पुजारी पंडित सुमन भारद्वाज ने बताया कि मंदिर में 11 से 15 जुलाई तक शिव परिवार मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा का धार्मिक आयोजन किया जा रहा है। 11 जुलाई से गणपति पूजन के साथ पंचम दिवस अनुष्ठान शुरू होगा। उन्होंने बताया कि 14 जुलाई को प्रातः 8 बजे कलश यात्रा एवं शोभा यात्रा निकाली जाएगी तथा कलश यात्रा के उपरांत शिव परिवार का जलाभिषेक किया जाएगा। 15 जुलाई को प्रातः 9:15 बजे हवन एवं 12:15 बजे मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। इसके उपरांत भंडारे का प्रसाद वितरित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कलश तांबे के उठाए जाएंगे तथा कलश मंदिर परिसर में ही दिया जाएगा।

जांगिड़ सभा ने महिलाओं को की सिलाई मशीन वितरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुंड

रेवाड़ी। महिलाओं को सिलाई मशीन वितरित करते हुए।

विश्वकर्मा मंदिर खोरी में अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण सभा जिला अध्यक्ष कैलाश चंद जांगिड़ की अध्यक्षता में त्रैमासिक बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जांगिड़ समाज की महिलाओं को सिलाई मशीन वितरित की गई। पूर्व ब्लॉक प्रधान मास्टर राधेश्याम जांगिड़ ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस मौके पर जिला अध्यक्ष कैलाश जांगिड़ ने कहा कि समाज के उत्थान के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा किसी भी समाज के विकास में शिक्षा एवं रोजगार विशेष भूमिका निभाते है। उन्होंने सभी से अपने आसपास समाज के सभी बच्चों को अनिवार्य रूप से उच्च शिक्षा दिलाने की अपील की। इस अवसर पर सचिव हरिराम जांगिड़, कोषाध्यक्ष अजय जांगिड़, राजेंद्र सिंह गुजरीवास, रविदत्त जांगिड़, गोपाल कृष्ण जांगिड़, राजेंद्र प्रसाद जांगिड़, सुनील निशल, शिव चरण जांगिड़, हरद्वारी लाल, सुरेश कुमार, पवन कुमार, विजय कुमार, संजीव कुमार, रामफल, मुकेश जांगड़ा, महेश कुमार व नितेश कुमार उपस्थित थे।

सुधराना की रिया व साहिल ने बॉक्सिंग में जीता गोल्ड मेडल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नाहड़

केवीएस की ओर से आयोजित स्टेट लेवल बॉक्सिंग प्रतियोगिता में सुधराना निवासी भाई-बहन रिया तथा साहिल ने गोल्ड मेडल जीतकर परिवार तथा इलाके का नाम रोशन किया है। माता मंजू तथा संदीप ने बताया कि साहिल व रिया ने केंद्रीय विद्यालय की ओर से तीन दिवसीय अंबाला तथा हिसार में आयोजित स्टेट लेवल बॉक्सिंग प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीता है। साहिल ने अंडर-14 बॉक्सिंग 38 से 40 किलो वेट में आर्मी सेंटर हिसार में आयोजित कंपटीशन में गोल्ड मेडल व रिया ने अंडर-17 बॉक्सिंग 40 से 42 किलो वेट में अंबाला में गोल्ड मेडल हासिल किया है। दोनों बच्चे केंद्रीय विद्यालय भाकली में पढ़ रहे हैं। साहिल आठवीं का छात्र है, जबकि रिया 11वीं कक्षा की छात्रा है। दोनों बच्चे राजीव गांधी खेल स्टेडियम में बॉक्सिंग प्रशिक्षक ममता देवी के मार्गदर्शन में नियमित रूप से अभ्यास करते हैं। इस सफलता के लिए बॉक्सिंग कोच ममता, डीके सुधराना, आरसी दहिया, सूबेदार महावीर, नित्यानंद, बिक्रम सिंह, सरबजीत, राम दर्शन, रामबाबू, सुरेंद्र, सतपाल, विक्रम, राजसिंह व विकास ने दोनों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

छात्रा रिया

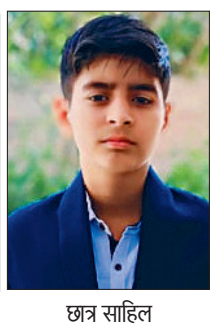

छात्र साहिल

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9671434260, 8595581311

कार्यक्रम शिक्षामंत्री सीमा त्रिखा बोली सभी वर्गों के लिए कराए जाएं सामुदायिक विकास के काम

डी-प्लान के तहत जिले में खर्च होंगे 14.20 करोड़ रुपये

■ पारदर्शिता व गुणवत्ता का ध्यान रखें अधिकारी : मंत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। बैठक में मौजूद शिक्षामंत्री व अधिकारी।

जिला विकास एवं निगरानी समिति की बैठक लेते हुए शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा ने बताया कि वर्ष 2024-25 के दौरान जिले में डी-प्लान के तहत 14 करोड़ 20 लाख 56 हजार रुपए की राशि खर्च की जाएगी। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों से विकास कार्यों की डिमांड लेकर इनकी एक प्रस्ताव तैयार किया जाए। बाल भवन परिसर में आयोजित हुई जिला नगर एवं निगरानी समिति की बैठक में उपायुक्त राहुल हुड्डा ने बताया कि पिछले साल 2023-24 में डी-प्लान के अंतर्गत 6 करोड़ एक लाख 75 हजार की राशि सामुदायिक विकास कार्यों के लिए पंचायती राज, नगर परिषद व अन्य विभागों को जारी की गई थी, जिनकी उपयोगिता रिपोर्ट आ चुकी है। उन्होंने बताया कि इस साल में 8 करोड़ 52 लाख 34 हजार की राशि को सामान्य वर्ग के लिए तथा 5 करोड़ 68 लाख 22 हजार रुपए अनुसूचित वर्ग के सामुदायिक विकास कार्यों पर खर्च किए जाएंगे। एडीसी अनुपमा अंजलि ने बताया कि इस वर्ष में गलियों और नालियों के निर्माण पर तीस प्रतिशत एवं शिक्षा, सामुदायिक भवन, स्वास्थ्य, जलापूर्ति, सिंचाई, खेल व आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण पर 70 प्रतिशत राशि खर्च की जाएगी। शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा ने कहा कि निष्पक्ष, पारदर्शी व गुणवत्ता के आधार पर इस राशि को विकास कार्यों के लिए उपयोग में लाया जाए। इसके लिए विधायक, सांसद, चेयरमैन एवं अन्य जनप्रतिनिधियों से उनके प्रस्तावित विकास कार्यों की सूची मांगी जाए। उसके बाद इन कार्यों के एस्टीमेट तैयार कराए जाएं। उन्होंने कहा कि सामाजिक विकास के काम अधिक से अधिक कराए जाने चाहिए, ताकि सभी वर्गों को इनका लाभ मिल सकें। इस मौके पर एसडीएम कोसली उदय सिंह, एसडीएम बावल मनोज कुमार व नप चेयरपर्सन पूनम यादव भी मौजूद थी।